www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 183 | जौनपुर मंगलवार, 17 फरवरी 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

न ट्रेड जानते हैं, न टेक्नोलॉजी समझते हैं राहुल गांधी : अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भारत–यूएस ट्रेड डील पर सवाल उठाए। इसे लेकर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पलटवार किया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोशल मीडिया श्एक्सश पर पोस्ट कर राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने राहुल गांधी के पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए कहा कि राहुल गांधी न ट्रेड जानते हैं, न टेक्नोलॉजी समझते हैं। इससे पहले राहुल गांधी ने श्एक्सश पर पोस्ट कर कहा कि यूएस ट्रेड डील के नाम पर हम भारत के किसानों के साथ विश्वासघात होते हुए देख रहे हैं। मैं प्रधानमंत्री से कुछ आसान सवाल पूछना चाहता हूं।उन्होंने पूछा कि डीडीजी इम्पोर्ट करने का वास्तव में क्या मतलब है? क्या इसका मतलब यह है कि भारतीय मवेशियों को जीएम अमेरिकी मक्का से बने डिस्टिलर ग्रेन खिलाए जाएंगे? क्या इससे हमारे दूध उत्पाद प्रभावी रूप से अमेरिकी कृषि उद्योग पर निर्भर नहीं हो जाएंगे? अगर हम जीएम सोया तेल के आयात की अनुमति देते हैं तो मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और देशभर के हमारे सोया किसानों का क्या होगा? वे एक और कीमतों का झटका कैसे झेल पाएंगे? राहुल गांधी ने आगे पूछा कि जब आप अतिरिक्त उत्पाद कहते हैं तो उसमें क्या–क्या शामिल हैं? क्या यह समय के साथ दाल और अन्य फसलों को अमेरिकी आयात के लिए खोलने के दबाव का संकेत है? श्गैस–व्यापार बाधाएंश हटाने का क्या मतलब है?

नागालैंड के मुख्यमंत्री ने नागा राजनीतिक मुद्दे के शीघ्र समाधान का आह्वान किया

कोहिमा, (एजेंसी)। नागालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने रविवार को अखिल नागा एकता की पुरजोर वकालत की और केंद्र सरकार से लंबे समय से लंबित नागा राजनीतिक मुद्दे के सम्मानजनक और समावेशी समाधान में तेजी लाने का आग्रह किया। उखरुल जिला मुख्यालय मैदान में दो दिवसीय लुई–नगाई–नी उत्सव को संबोधित करते हुए रियो ने कहा कि एकता और आस्था प्रगति और स्थायी शांति के लिए आवश्यक शर्तें हैं। यह उत्सव यूनाइटेड नागा काउंसिल (यूएनसी) द्वारा आयोजित किया गया था और इसकी मेजबानी तांगखुल नागा लॉन्ग ने की थी, जो दोनों ही प्रभावशाली नागा संगठन हैं।इस अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री ने लुई–नगाई–नी उत्सव को एक सांस्कृतिक उत्सव से कहीं अधिक बताया और इसे नागा पहचान, विरासत और साझा भविष्य की पुष्टि कहा। उन्होंने कहा कि नागा परंपराएं, नृत्य, लोकगीत, अनुष्ठान और स्वदेशी खेल समुदाय के विश्वदृष्टि और मूल्यों की जीवंत अभिव्यक्ति हैं। रियो ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि सच्ची एकता का अर्थ एकरूपता नहीं है, और कहा कि नागा लोग, भले ही प्रशासनिक सीमाओं से विभाजित हों।

जनपद स्तर पर समस्याओं का निस्तारण सुनिश्चित करें अधिकारी : सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' किया। उन्होंने यहां आए हर फरियादी से स्वयं मुलाकात की, उनकी समस्याओं को सुना और निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अनुरोध किया कि लखनऊ आने से पहले अपनी समस्याओं को लेकर जनपद व मंडल स्तर पर तैनात अधिकारियों से जरूर मुलाकात करें। वहां भी हर अधिकारी आमजनों की समस्याओं के उचित निराकरण के लिए प्रतिबद्ध है। यदि किन्हीं कारणों से वहां समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा हो, तो अवश्य लखनऊ आएं। सीएम योगी ने कहा कि हर परेशान व्यक्ति की समस्या का निदान सरकार की प्राथमिकता है। अधिकारी हर हाल में जनपद स्तर पर ही पीड़ितों की समस्याओं का निस्तारण करें। मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान

कुछ उद्यमियों ने अपनी समस्याएं रखीं। मुख्यमंत्री ने हर एक प्रार्थना पत्र को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों, विशेषकर उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) एवं जिला प्रशासन को तत्काल और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि प्रदेश में निवेश का बेहतरीन इकोसिस्टम तैयार किया गया है और सरकार ने सिंगल विंडो सिस्टम सहित कई पारदर्शी व्यवस्थाएं लागू की हैं। यदि किसी उद्यमी को किसी भी स्तर पर परेशानी होती है, तो उसे प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए। उन्होंने दो टूक कहा कि निवेश और उद्योग विकास में किसी भी प्रकार की देरी या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। 'जनता दर्शन' कार्यक्रम में एक नागरिक ने बेसिक शिक्षा परिषद के सभी प्राथमिक विद्यालयों में शारीरिक शिक्षा से जुड़ी गतिविधियों को अनिवार्य किए जाने की मांग रखी। मुख्यमंत्री ने इस सुझाव को गंभीरता से लेते हुए उन्हें आश्वासन दिया कि संबंधित विभाग को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में खेल और शारीरिक गतिविधियों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय थीम पर आधारित है इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट : पीएम मोदी

नई दिल्ली। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट का आज से आगाज होने जा रहा है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समिट का उद्घाटन करेंगे, जो पहली बार ग्लोबल साउथ में होने जा रहा है। दुनियाभर के दिग्गज इस समिट में शामिल होने वाले हैं। पीएम मोदी ने कहा कि एआई इम्पैक्ट समिट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अलग–अलग पहलुओं, जैसे नवाचार, सहयोग, जिम्मेदारी से इस्तेमाल और भी अन्य मुद्दों पर ग्लोबल बातचीत को बेहतर बनाएगा। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ष्एआई पर चर्चा के लिए दुनिया को एक साथ लाना! आज से, भारत दिल्ली के भारत मंडपम में एआई इम्पैक्ट समिट होस्ट कर रहा है। मैं इस समिट के लिए दुनिया भर के लीडर्स, इंडस्ट्री के कैप्टन्स, इनोवेटर्स, पॉलिसीमेकर्स, रिसर्चर्स और टेक के शौकीनों का दिल से स्वागत करता हूं। समिट की थीम है सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय, यानी सभी का कल्याण, सभी के लिए खुशी, जो ह्यूमन–सेंट्रिक प्रोग्रेस के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करने के हमारे साझा कमिटमेंट को दिखाता है।ष

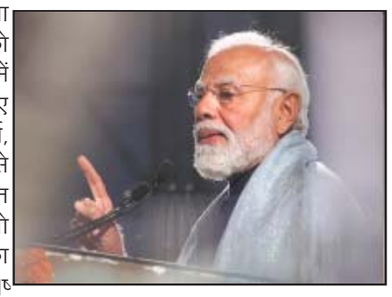

पीएम मोदी ने कहा, ष्एआई आज स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, गवर्नेंस और एंटरप्राइज सहित कई सेक्टर्स को बदल रहा है। एआई इम्पैक्ट समिट एआई के अलग–अलग पहलुओं, जैसे इनोवेशन, कोलेबोरेशन, जिम्मेदारी से इस्तेमाल और भी बहुत कुछ पर ग्लोबल बातचीत को बेहतर बनाएगा। मुझे विश्वास है कि समिट के नतीजे एक ऐसे भविष्य को बनाने में मदद करेंगे जो प्रोग्रेसिव, इनोवेटिव और मौकों पर आधारित हो।

आरएसएस के भरोसे न रहें, समाज स्तर पर स्वयं कार्य करे हिंदू समाज : मोहन भागवत

गोरखपुर, (एजेंसी)। आरएसएस के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि संघ के 100 वर्ष पूरे हुए हैं। यह कोई उत्सव की बात नहीं है। जिसे करने में 100 वर्ष लग गए, वह और पहले हो जाना चाहिए था। समाज स्तर पर कार्य स्वयं करना होगा। संघ के भरोसे नहीं रहना चाहिए। समाज के हर अंग में शक्ति होनी चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, गोरक्ष प्रांत की ओर से संघ शताब्दी वर्ष पर योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में सामाजिक सद्भाव बैठक के बाद संघ प्रमुख विभिन्न जाति, पंथों के प्रतिनिधियों से संवाद कर रहे थे। उनकी जिज्ञासाओं पर सरसंघचालक ने कहा कि आवश्यक है कि अपनी जाति–बिरादरी में चर्चा कर बड़े हिंदू समाज के लिए कार्य करें। हमें ब्लॉक स्तर पर वर्ष में दो से तीन बार बैठना होगा। हिंदू समाज में पूर्ण स्वतंत्रता है। हम हिंदू समाज के अंग हैं, इस दृष्टि से क्या कर रहे हैं और क्या कर सकते हैं, इस पर विचार करें। मोहन भागवत ने कहा कि समाज को चलाने के लिए खंड स्तर पर समाज के मुखिया लोगों को कार्य करना होगा। मिलकर विचार करेंगे, मिलकर दायित्व लेंगे और कुछ गड़बड़ होगा तो मिलकर सुधार करेंगे। देश ठीक रहेगा तो हम भी ठीक रहेंगे। यह समाज का काम है। समाज करेगा, संघ सहायता करेगा। सामाजिक सद्भाव बैठक में विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों ने अपने समाज में हो रहे सामाजिक कार्यों के प्रेरक उदाहरण साझा किए। इस अवसर पर सरसंघचालक ने विविध जाति, पंथ और समाज के प्रतिनिधियों के साथ पंगत में भोजन किया। मंच पर सरसंघचालक के साथ प्रांत संघचालक डॉ. महेंद्र अग्रवाल उपस्थित रहे।

5 साल में चाहिए स्वदेशी एयरो इंजन : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को गैस टरबाइन अनुसंधान प्रतिष्ठान (जीटीआरई) को विश्व के सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक बताते हुए वैज्ञानिकों से दशकों से चल रहे एयरो इंजन विकास कार्य को अगले पांच वर्षों में पूरा करने का आग्रह किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत की रणनीतिक स्वायत्तता महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में तेजी से महारत हासिल करने पर निर्भर करती है। बेंगलुरु स्थित गैस टरबाइन अनुसंधान प्रतिष्ठान में बोलते हुए सिंह ने कहा कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के अधीन कार्यरत यह प्रतिष्ठान भारत की रणनीतिक क्षमता का आधार बन गया है। उन्होंने इसके वैज्ञानिकों को लगातार सफल परीक्षण करने

और देश की रक्षा तैयारियों को मजबूत करने का श्रेय दिया। राजनाथ ने कहा और आगे कहा कि डीआरडीओ का वैज्ञानिक दृष्टिकोण दिन–प्रतिदिन भारत की रणनीतिक शक्ति को मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि डीआरडीओ प्रतिदिन एक के बाद एक सफल परीक्षण करता रहता है। हमें प्रतिदिन डीआरडीओ की उपलब्धियों के बारे में सुनने को मिलता रहता है। एक परीक्षण की चर्चा समाप्त होते ही दूसरी उपलब्धि की खबर आ जाती है। दूसरे शब्दों में, डीआरडीओ आज भारत की रणनीतिक क्षमता का आधार बन गया है। एयरो इंजन में स्वदेशी क्षमता की आवश्यकता पर जोर देते हुए सिंह ने कहा कि जहां एक इंजन विकसित करने में आमतौर पर 20–25 साल लगते हैं, वहीं भारत को अब पांच साल में वह हासिल करना होगा जिसे अन्य देशों को हासिल करने में दशकों लग गए हैं। उन्होंने कहा कि अगर एक इंजन विकसित करने में 25 साल लगते हैं, तो भारत की वर्तमान स्थिति, हमारी रणनीतिक आवश्यकताओं और हमारी महत्वाकांक्षाओं को देखते हुए, आपको यह मान लेना चाहिए कि आपके 20 साल पहले ही बीत चुके हैं और अब आपके पास केवल 5 साल बचे हैं। यह कोई चौंकाने वाली या आश्चर्य की बात नहीं हैय यह एक चुनौती है। हमें इन 5 वर्षों में वह हासिल करना है जो अन्य देश 20 वर्षों में करते हैं।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और पीएम मोदी ने जताया गहरा दुख

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के भिवाड़ी हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति शोक व्यक्त किया। साथ ही घायलों के जल्द ही ठीक होने की कामना की। उपराष्ट्रपति ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, राजस्थान के भिवाड़ी में आग लगने की दुखद घटना से बहुत दुख हुआ। पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना और घायलों के जल्दी ठीक होने की प्रार्थना करता हूं।श्श प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने पीएम मोदी के हवाले से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, राजस्थान के भिवाड़ी में हुई आग की घटना बेहद दुखद और दर्दनाक है। जिन लोगों ने

अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदना है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की मैं प्रार्थना करता हूं। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस हादसे पर दुख जताते हुए एक्स पोस्ट में लिखा, श्श्भिवाड़ी के खुशखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में फैक्ट्री में आग लगने से हुई जनहानि का समाचार अत्यंत दुखद है। जिला प्रशासन को राहत व बचाव कार्य के लिए निर्देशित किया है। ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं। डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने भी हादसे पर दुख व्यक्त किया और लिखा, भिवाड़ी की केमिकल एवं पटाखा फैक्ट्री में आग लगने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में जनहानि का समाचार अत्यंत दुखद एवं हृदयविदारक है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिजनों को इस कठिन समय में संबल और धैर्य दें। घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करती हूं। राजस्थान के खैरथल–तिजारा जिले के भिवाड़ी में एक केमिकल फैक्ट्री में आग लगने से 7 श्रमिकों की जलकर मौत हो गई। अधिकारियों ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि आग लगने के समय लगभग 25 मजदूर मौजूद थे। आग सुबह करीब 9.30 बजे खुशखेड़ा कस्बे की औद्योगिक क्षेत्र के प्लॉट नंबर जी–1–118 बी में लगी।

अमित शाह करेंगे 'मंथन बैठक' की अध्यक्षता

गांधीनगर, (एजेंसी)। देशभर के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सहकारिता मंत्रियों की एक उच्चस्तरीय बैठक 17 फरवरी को गुजरात के गांधीनगर में आयोजित की जाएगी। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि इस बैठक में सहकारिता क्षेत्र में चल रहे प्रमुख सुधारों और विस्तार योजनाओं की समीक्षा की जाएगी, जिसमें देशभर में दो लाख नई सहकारी समितियों की स्थापना का प्रस्ताव भी शामिल है।'मंथन बैठक' की अध्यक्षता केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह महात्मा मंदिर कन्वेंशन सेंटर में करेंगे। बैठक में विभिन्न राज्यों के सहकारिता मंत्री, अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव स्तर के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। अधिकारियों के अनुसार, बैठक में सहकारिता मंत्रालय की प्रमुख पहलों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी और क्षेत्र के लिए समन्वित रोडमैप पर चर्चा होगी। यह मंच राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अपने अनुभव और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने का अवसर भी देगा।बैठक के मुख्य एजेंडे में दो लाख नई बहुउद्देश्यीय प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (एमपीएसीएस), डेयरी और मत्स्य सहकारी समितियों की स्थापना

की योजना शामिल है। इसका उद्देश्य ग्रामीण ऋण प्रणाली को मजबूत करना और कृषि व संबद्ध क्षेत्रों में सेवा वितरण में सुधार करना है। अनाज भंडारण पहल के तहत आधुनिक वेयरहाउस के राष्ट्रीय नेटवर्क के विस्तार की भी समीक्षा की जाएगी। इस दौरान भंडारण क्षमता बढ़ाने, मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करने और किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने पर चर्चा होगी।बैठक में राज्यों की भागीदारी तीन नवगठित राष्ट्रीय सहकारी संस्थाओं– नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट्स लिमिटेड, नेशनल कोऑपरेटिव ऑर्गेनिक्स लिमिटेड और भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड में सुनिश्चित करने पर भी विचार होगा।

मध्य प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान हंगामा

भोपाल, (एजेंसी)। भोपाल मध्य प्रदेश में विधानसभा के बजट सत्र की शुरुआत सोमवार को राज्यपाल मंगुभाई पटेल के अभिभाषण से हुई। इस दौरान कांग्रेस ने जमकर हंगामा किया और कार्यवाही को मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया। राज्य विधानसभा का बजट सत्र राज्यपाल पटेल के अभिभाषण से शुरू हुआ, इस दौरान राज्यपाल ने देश और राज्य में जारी योजनाओं और उसके जरिए बदलते परिदृश्य की चर्चा की। साथ ही राज्य में संचालित

योजनाओं से लोगों की जिंदगी में आ रहे बदलाव का भी जिक्र किया। इस अभिभाषण के दौरान कांग्रेस ने आरोप लगाया कि राज्यपाल के अभिभाषण में नल जल योजना को शामिल नहीं किया गया है और इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से हुई मौतों का जिक्र नहीं है। इस पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने आक्रोश जाहिर किया। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने बार–बार यही कहा कि राज्यपाल के अभिभाषण पर जब चर्चा होगी तब नेता प्रतिपक्ष अपनी बात कह सकते हैं मगर हंगामा बढ़ गया और राज्यपाल ने अपने अभिभाषण को जारी रखा। राज्यपाल के अभिभाषण के पूरा होने और राज्यपाल के जाने के बाद कांग्रेस ने हंगामा शुरू कर दिया, परिणामस्वरुप सदन की कार्यवाही को मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया। इससे पहले राज्यपाल पटेल के विधानसभा पहुंचने पर विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, मुख्यमंत्री मोहन यादव, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सहित अन्य ने अगवानी की। प्रदेश की सोलहवीं विधानसभा का नवम सत्र (बजट सत्र) सोमवार से प्रारंभ हुआ और 6 मार्च, 2026 तक चलेगा।

राहुल को संसद चलाने में रुचि नहीं, एनजीओ ने सिखाया- कांग्रेस के अच्छे दिन आएंगे : रिजिजू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने एक बार फिर एनजीओ का हवाला देते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को घेरा है। रिजिजू ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता संसद के सुचारू संचालन में रुचि नहीं रखते। इतना ही नहीं रिजिजू ने अपने बयान में कहा कि कुछ गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) ने उन्हें सिखाया है कि उनकी पार्टी के लिए श्अच्छे दिनश आएंगे और इसीलिए वे सदन को बाधित कर रहे हैं। किरेन रिजिजू ने यह भी कहा कि सरकार संसद में स्थिति को शांत करने के लिए कांग्रेस को लेकर कोई और अतिरिक्त कदम नहीं उठाने जा रही है, क्योंकि उन्होंने सदन के सुचारू रूप से चलने के लिए श्कई प्रयासश किए थे, लेकिन

वे व्यर्थ रहे। न्यूज एजेंसी पीटीआई को दिए एक साक्षात्कार में किरेन रिजिजू ने संसद में चले गतिरोध और राहुल गांधी को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, श्राहुल गांधी को सदन चलाने में कोई दिलचस्पी नहीं है। उन्हें सिर्फ मुद्दे बनाने में दिलचस्पी है। कुछ गैर सरकारी संगठनों ने राहुल गांधी को सिखाया है कि तुम्हारा समय आएगा, लेकिन उनका समय नहीं आएगा। अगले चुनावों में लोकसभा में उनकी सीटों की संख्या और भी कम हो जाएगी।श उन्होंने कहा कि कांग्रेस हताश है, क्योंकि पार्टी लगातार चुनाव हार रही है। वे स्थिति को बदलने के लिए बेताब हैं। अरुणाचल पश्चिम स्थित अपने लोकसभा क्षेत्र के दौरे पर गए रिजिजू ने कहा कि एनडीए को विपक्ष के सदन को बाधित करने से कोई समस्या नहीं है, क्योंकि उन्होंने वरिष्ठ कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल और कुछ अन्य लोगों से बात करने सहित स्थिति को शांत करने के कई प्रयास किए थे। केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि संसद में छोटी पार्टियों द्वारा कांग्रेस पर सदन को बाधित न करने का दबाव था। केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि संसद में छोटी पार्टियों की तरफ से कांग्रेस पर दबाव था कि वह सदन में रुकावट न डाले, क्योंकि इससे उन्हें बोलने का समय नहीं मिलता। उन्होंने कहा, श्सारा विपक्ष कांग्रेस के साथ नहीं है। छोटी पार्टियां अपनी–अपनी पार्टी के समय का इस्तेमाल नहीं कर पा रही हैं।

संपादकीय

ताकाइची का वादा

प्रधानमंत्री साने ताकाइची इसे पसंद करती हैं कि उनकी तुलना ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री मार्ग्रेट थैचर से की जाए। जिस तरह थैचर ने ब्रिटेन की दिशा बदल दी थी, कुछ वैसा ही करने का वादा ताकाइची ने किया है। लंबे समय बाद जापान में किसी नेता को दो तिहाई बहुमत मिला है। सत्ताधारी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) को ऐसी कामयाबी चार महीने पहले प्रधानमंत्री बनीं साने ताकाइची ने दिलाई। दरअसल, जितनी बड़ी जीत एलडीपी को इस बार मिली, उतना गुजरे 70 वर्षों में कभी नहीं हुआ। जापान में 1955 में नया संविधान लागू होने के बाद से एलडीपी 66 वर्ष सत्ता में रही है। सिर्फ दो बार ऐसे मौके आए, जब वह दो–दो वर्ष के लिए सत्ता से बाहर हुई। मगर पिछले डेढ़ दशक में पार्टी की लोकप्रियता लगातार गिरी थी। आर्थिक गतिरुद्धता, बढ़ती सामाजिक समस्याओं, और धुर दक्षिणपंथ के उदय के कारण हालिया चुनावों में उसे पूर्ण बहुमत से वंचित रहना पड़ा। इसीलिए रविवार को हुए चुनाव में उसे मिली बड़ी जीत ने दुनिया का ध्यान खींचा है। इससे ये बात पुष्ट हुई है कि उदारवाद और राष्ट्रवाद का उग्र एजेंडा पेश कर जापान के मतदाताओं में उत्साह पैदा करने में ताकाइची सफल रहीं। ताकाइची इसे पसंद करती हैं कि उनकी तुलना ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री मार्ग्रेट थैचर से की जाए। जिस तरह थैचर ने ब्रिटेन की दिशा बदल दी थी, कुछ वैसा ही करने का वादा ताकाइची ने किया है। प्रधानमंत्री बनते ही ताइवान के सवाल पर उग्र बयान देकर चीन से टकराव बढ़ाते हुए उन्होंने देश में राष्ट्रवादी भावनाएं फैलाईं। इसे आगे बढ़ाते हुए उन्होंने सैन्य खर्च बढ़ाने का वादा किया। साथ ही जापान को परमाणु हथियार संपन्न देश बनाने के संकेत भी उन्होंने दिए। उधर आर्थिक मोर्चे पर हर तरह के टैक्स में कटौती का वादा किया। इसमें आय कर से लेकर उपभोग कर तक शामिल हैं। कहा कि यह सब बजट घाटा बढ़ाते हुए किया जाएगा। जहां लोग अर्थव्यवस्था की घटती गई प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता, घटती उत्पादकता, गिरते जीवन स्तर, और बढ़ती गैर–बराबरी से वर्षों से परेशान हों, वहां इस तरह के वादों ने जादुई असर किया, तो उसे समझा जा सकता है। वैसे विशेषज्ञों ने ध्यान दिलाया है कि रक्षा क्षेत्र को छोड़ दें, तो बाकी वादों को पूरा करना आसान नहीं होगा। लेकिन ये बाद की बात है। फिलहाल, तो ताकाइची की लहर चली है।

बांग्लादेश में राजनैतिक बदलाव

भारत से पड़ोसी देश बांग्लादेश में एक बड़ा राजनैतिक बदलाव आया है। देश आखिरकार एक स्थिर सरकार हासिल करने की तरफ बढ़ा है। 2024 में शेख हसीना की सरकार गिरा दी गई थी, और उन्हें भारत में राजनैतिक शरण लेकर अपनी प्राणरक्षा करनी पड़ी। इसके बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार चली और इस दौरान न केवल अल्पसंख्यक हिंदुओं के लिए अविचारित हिंसा की गई, बल्कि भारत के खिलाफ तल्खी बढ़ाने वाले कई बयान अहम पदों पर बैठे नेताओं ने दिए। बांग्लादेश ने उस पाकिस्तान के साथ नजदीकी बढ़ाई है, जिसके अत्याचारों के कारण उसे इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान से अलग करवाया था। बहरहाल, यूनुस सरकार पर लगातार चुनाव करवाने का दबाव बना, आखिरकार 12 फरवरी 2026 को बांग्लादेश में आम चुनाव हुए थे। इस चुनाव में अवामी लीग को हिस्सा लेने नहीं दिया गया। शेख हसीना ने इन चुनावों को रद्द करने की मांग की है, लेकिन अब यह तय है कि तारिक रहमान देश की कमान संभालने जा रहे हैं। पिछले 35 सालों में शेख हसीना और खालिदा जिया ही बांग्लादेश का नेतृत्व करती रहीं, लेकिन अब बेगमों का राज बांग्लादेश में इतिहास बन गया है और दिवंगत खालिदा जिया के बेटे देश संभालने जा रहे हैं।17 फरवरी को तारिक रहमान प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे और इसमें उन्होंने सार्क देशों के नेताओं को आमंत्रित किया है। जिसके बाद सवाल उठने लगे हैं कि क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसमें शामिल होंगे, क्योंकि जाहिर है सार्क में पाकिस्तान भी है और शाहबाज शरीफ संभवतरू बांग्लादेश पहुंचेंगे ही। बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को तारिक रहमान से फोन पर बात की और सोशल मीडिया पर बधाई भी दी। तारिक रहमान ने भी भारत के साथ अच्छे संबंध बनाने की इच्छा जताई है। लेकिन क्या मात्र इच्छा जताने से दोनों देशों के बीच उलझे हुए तार सुलझेंगे, ये देखना होगा।तारिक रहमान ने अमेरिका फर्स्ट के नारे की तरह श्बांग्लादेश फर्स्टश का नारा दिया है। जो राष्ट्रवाद के नए फैशन की तरह बन चुका है। बेशक हर राजनेता, हर राष्ट्रप्रमुख अपने ही देश को सर्वोपरि रखता है, लेकिन उसे फलाना फर्स्ट या ढिकाना फर्स्ट के नारे के तहत व्याख्यायित करना जुबानी प्रचार से ज्यादा कुछ नहीं है। तारिक रहमान ने कहा है कि भारत, चीन और पाकिस्तान से बराबर दूरी रखना चाहते हैं। उन्होंने पहले कहा था, श्न दिल्ली, न पिंडी, बांग्लादेश सबसे पहले।श अब जीत के बाद अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में तारिक रहमान ने कहा कि उनकी सरकार की विदेश नीति बांग्लादेश और उसके लोगों के हितों पर आधारित होगी। कोई देश–केंद्रित नीति नहीं होगी। उन्होंने कहा, श्चीन विकास के मामले में दोस्त है, लेकिन अगर कुछ बांग्लादेश के हित में नहीं होगा तो हम उसे नहीं मानेंगे। बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव को देखेंगे कि क्या यह हमारी अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा है।श वहीं शेख हसीना के प्रत्यर्पण के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह कानूनी प्रक्रिया पर निर्भर करेगा। अवामी लीग समर्थकों पर केस और परेशानी के बारे में कहा कि कानून का राज चलेगा। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से एकता की अपील की और कहा कि राष्ट्र निर्माण में सबकी जरूरत है। चुनाव के बाद कोई बदला या हिंसा नहीं होगी। उन्होंने अपनी पार्टी बीएनपी के कार्यकर्ताओं से शांति बनाए रखने को कहा और विजय जुलूस नहीं निकालने का निर्देश दिया। बता दें कि बीएनपी ने 300 में से कध्रीब 209 सीटें जीतीं। वहीं जमात–ए–इस्लामी ने 68 सीटें जीतीं हैं, जो भारत के लिए चिंता का सबब है। तारिक रहमान ने तो भारत के साथ अच्छे संबंधों को रखने की इच्छा जताई है, लेकिन शेख हसीना का प्रत्यर्पण और जमात के प्रभाव में उठती भारत–विरोधी आवाजों को शांत करने के मुद्दे पर वे क्या करते हैं, उसी के आधार पर पता चलेगा कि आगे जाकर भारत और बांग्लादेश के संबंध कैसे रहेंगे। जमात–ए–इस्लामी और उसके 11 सहयोगियों ने जिन सीटों पर जीत हासिल की है, उनमें से एक बड़ा हिस्सा पश्चिम बंगाल और असम की सीमा से लगे बांग्लादेशी जिलों में स्थित हैं। जमात की चुनावी ताकत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उसने पश्चिम बंगाल के छह जिलों जलपाईगुड़ी, मालदा, मुर्शिदाबाद, नदिया, उत्तर 24 परगना और दक्षिण 24 परगना से लगी सीमा के साथ–साथ असम के सिलचर से लगे क्षेत्रों में अपना प्रभुत्व फिर से स्थापित कर लिया है। सुरक्षा जानकारों का मानना है कि यह स्थिति भारत के सीमा सुरक्षा बल और खुफिया एजेंसियों के लिए चुनौती बन सकती है। सीमा के वे हिस्से जहां कंटीले तार नहीं लगे हैं, वे लंबे समय से मानव तस्करी और तस्करी के लिए उपयोग किए जाते रहे हैं। इस फैसले के बाद भारत को हाई अलर्ट पर रखा गया है। ढाका के राजनीतिक विश्लेषकों का आकलन है कि सरहदी क्षेत्रों में जमात की जीत की एक बड़ी वजह ये है कि उन क्षेत्रों में बंटवारे के बाद भारत से आने वाले मुसलमान हैं। उनके वंशज जमात को वोट कर रहे हैं और उनकी आबादी में तेजी से इजाफा हुआ है। भारत में जल्द ही असम और प.बंगाल में चुनाव हैं, जहां सांप्रदायिक ध्रुवीकरण को बढ़ावा देने की कोशिश भाजपा कर रही है।

"शिव, काम और रति : जीवन-संतुलन का त्रिकोण"

डॉ. कृष्णगोपाल

पौराणिक आख्यानों के अनुसार सौन्दर्य के देवता कामदेव ने भगवान शिव की तपस्या में विघ्न उत्पन्न किया और भगवान शिव ने उसे अपने तृतीय नेत्र की क्रोधाग्नि से भस्म कर दिया किन्तु जब काम की पत्नी रति ने शिव से प्रार्थना की और अपने पति को पुनः जीवित करने का वरदान माँगा तब शिव ने काम को देह रहित रूप में संसार को प्रभावित करने की शक्ति देकर उसे पुनर्जीवित कर दिया तथा वह मानसिक स्तर पर सक्रिय होकर संसार को संचालित करने लगा। उसके नए नाम मनसिज, मनोज, अनंग आदि प्रचलित हो गए। 'शिव' महादेव हैं और काम रूप–सौन्दर्य का देवता । दोनों एक ही कुल अर्थात देव–समूह के हैं किन्तु लोकजीवन में दोनों के प्रतीकार्थ भिन्न हैं। शिव कल्याण के प्रतीक हैं और कामदेव कामनाओं के, मनुष्य की विविध प्रकार की अभिलाषाओं के प्रतीक हैं । शिव अर्थात कल्याण का स्वरूप स्थिर है। वह परिवर्तित नहीं होता। वह शाश्वत है, सनातन है। इसीलिए शिव उच्च स्तर पर प्रतिष्ठित महादेव हैं और अधिक शक्ति सम्मान्न है। कामदेव का स्वरूप वैविध्यपूर्ण है। वे अपनी सकारात्मकता में रचनात्मक हैं किन्तु नकारात्मकता में भयंकर विध्वंसात्मक भी हैं। अतः वह देवता होकर भी महादेव के समकक्ष नहीं हैं । शिव द्वारा काम–दहन की कथा कल्याण के पथ पर कामनाओं के नियंत्रण का संदेश है। अच्छी–बुरी अनंत कामनाओं को साथ लेकर मनुष्य अपना कल्याण नहीं कर सकता, साथ ही वह समस्त कामनाओं को त्यागकर भी जीवित नहीं रह सकता। जीवन मैं सुख शांति और आनंद की प्राप्ति के लिए अच्छी कामनाओं का होना भी आवश्यक है। कामनाएं ही मनुष्य को कर्मपथ पर प्रेरित करती हैं। इसीलिए शिव एक बार काम को पूर्णतया समाप्त करके उसे पुनः जीवन देते हैं। अभिप्राय यह कि मानव–मन में निहित समस्त दुरभिलाषाओं को समाप्त कर संसार के कल्याण के लिए आवश्यक अभिलाषाओं को पुनः प्रोत्साहित करना मानव जीवन की महत्त्वपूर्ण आवश्यकता है। कामदेव सौन्दर्य के देवता हैं। सौन्दर्य सदा आकर्षित करता है तथा मन में इच्छाओं को जन्म देता है। वे इच्छाएँ जब मानवीय गरिमा, सामाजिक मर्यादा और न्यायसंगत होती हैं तब शिव की कल्याणरुपिणी शक्ति बनती हैं किन्तु जब मानव मूल्यों के विरुद्ध निजी दुरभिलाषाओं और स्वार्थों के लिए सक्रिय होती हैं तब उनका नाश करना अथवा संयम के बल पर उन्हें नियन्त्रित करना अत्यंत आवश्यक हो जाता है। काम के इस अशिव रूप का नाश किए बिना शिव अर्थात कल्याण प्राप्ति की साधना पूर्ण नहीं हो सकती। कामदेव को भस्म करने वाला शिव का तृतीय नेत्र ज्ञान और वैराग्य का प्रतीक है। जब तक तीसरा नेत्र नहीं खुलता तब तक कामनाएँ भस्म नहीं होतीं। ज्ञान और वैराग्य का तीसरा नेत्र जब खुलता है तब मनुष्य के मन में संयम, संतोष, त्याग, परोपकार, अपरिग्रह जैसे मूल्य पुष्ट होते हैं और लोभ, मोह, अभिमान, स्वार्थपरता, हिंसा, व्यभिचार जैसी दुर्वृत्तियां समाप्त हो जाती हैं और कल्याण की प्राप्ति होती है। भगवान शिव की रोषानल काम की देह को भस्म करती है। देह भौतिकता की प्रतीक है और सांसारिक प्रलोभनों की ओर संकेत करती है। कल्याण का विचार वही क्रियान्वित कर सकता है जो भौतिक सुख–सुविधाओं और लौकिक आकर्षणों से परे है। कामदेव का देहनाश 'जर–जोरू और जमीन' के लिए होने वाले संघर्ष को विराम देने का अर्थ व्यक्त करता है क्योंकि काम के इस भौतिक स्वरूप का नाश हुए बिना शिव की तपस्या अर्थात कल्याण की प्राप्ति असंभव है । काम के अनेक अर्थ हैं। काम को स्त्री–पुरुष के शारीरिक संबंध के अतिरिक्त धन, पद, यश, सम्मान आदि कामनाओं के अर्थ में भी ग्रहण किया जाता है। काम का स्वरूप अत्यंत सुन्दर है अर्थात इन समस्त कामनाओं की पूर्ति के लिए मनुष्य यदि दूसरों के अधिकारों का अपहरण, शोषण–उत्पीड़न न करे, माननीय गरिमा और सामाजिक मर्यादाओं के अनुरुप कार्य करे तो इनकी सकारात्मक सक्रियता जीवन में सौदर्य का विधान रचती है । अतः श्रेष्ठ इच्छाओं का मन में जीवित रहना जीवन के लिए आवश्यक है। इसीलिए ज्ञान के आवेश में शिव अपने तृतीय नेत्र से पहले तो कामदेव को भस्म कर देते हैं – अर्थात मन में पल रही अच्छी–बुरी समस्त इच्छाओं को पूर्ण रूप से समाप्त कर देते हैं किन्तु बाद में सांसारिक सुन्दरता की प्रतीक रति के विलाप को सुनकर लौकिक जीवन के सुख विधान के लिए सद अभिलाषाओं के रुप में कामदेव को पुनः नवजीवन दे देते हैं। कामदेव की पत्नी रति सृष्टि की सुन्दरता की प्रतीक है। सुन्दरता की सार्थकता उसके विवेक सम्मत उपयोग में है, उपयोग की कामना में है। इसलिए काम का पुनर्जीवन आवश्यक है। रति और कामदेव– सुन्दरता और सुन्दरता के प्रति आकर्षण से उत्पन्न कामना–– दोनों सांसारिक जीवन रथ के दो चक्र हैं। उनके अभाव में जीवन असंभव है और जीवन के अभाव में कल्याण अर्थात शिव का भी कोई अर्थ नहीं रह जाता। मनुष्य रहित सृष्टि का सौन्दर्य किस काम का ? मनुष्य के अस्तित्व में ही रति–कामदेव और शिव––तीनों की सार्थकता है। तीनों की व्याप्ति से ही जीवन है, समाज है। आज के समय में रति, काम और शिव के अर्थ बदल गए हैं। मनुष्य ने सहज प्राकृतिक जीवन, जीवन–मूल्यों और न्यूनतम आवश्यकताओं से मुख मोडकर कृत्रिम उपकरणों के अधिकतम उपयोग से जीवन की सुन्दरता 'रति' को क्षतिग्रस्त किया है। जीवन–मूल्यों की उपेक्षा करके 'कामदेव' का रूप विकृत कर दिया है और शिव की कल्पना अधिकतम भौतिक सुविधाओं में करके जीवन को संकटापन्न बनाया है। शिव का तृतीय नेत्र मोतियाविंद से ग्रस्त है। ज्ञान के आवरण के अज्ञान का पोषण होने से काम–दहन की क्रिया सम्पन्न नहीं हो पा रही है और वैश्विक स्तर पर काम का आवेग शिव की कल्याण–साधना में बाधक बना हुआ है। भगवान शिव के तृतीय नेत्र ज्ञान के वास्तविक स्वरूप को समझे बिना दुरभिलाषाओं का काम दहन नहीं हो सकता और सद्भिलाषाओं के अनंग को पुनर्जीवन मिले बिना विधवा रति का निरर्थक सौन्दर्य जीवन में आकर्षण उत्पन्न नहीं कर सकता। व्यक्ति के मन में शान्ति और सामाजिक जीवन को अपराध मुक्त करने के लिए ज्ञान और वैराग्य के तृतीय नेत्र का खुलना आवश्यक है। शिव, कामदेव और रति के इस निहितार्थ पर विचार करके ही आधुनिक जीवन को सुख–समृद्धि के पथ पर अग्रसर किया जा सकता है।

मोदी जी सवालों से परे : एपस्टीन फाइलों का डर सामने आया

शकील अख्तर

राष्ट्रीय सुरक्षा छोटी–मोटी घटनाओं की तरह बना दी। किसी पर कोई असर नहीं। लेकिन परिस्थितियां तेजी से बदलीं। जब आप लापरवाह हो जाते हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर जवाबदेही से बच जाते हैं। तब कहीं और बड़ी गलतियां करते हैं। और उनमें कुछ ऐसे मामले होते हैं जो अन्तरराष्ट्रीय स्तर के होते हैं। वहां भक्त और गोदी मीडिया नहीं बचा सकते। मोदी जी को सवालों से परे बताने की शुरुआत हो गई है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे को नया काम दिया गया है। मोदी जी सर्वोपरि हैं। उनसे सवाल नहीं हो सकते।अचानक ऐसा क्या हो गया कि प्रधानमंत्री मोदी को सवालों से ऊपर बताया जाए? एपस्टीन फाइल? और क्या हो सकता है? राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे बीजेपी संघ के कोर इशु (सबसे बड़े सवाल) का तो मोदी जी पर कोई असर नहीं पड़ा। यह बहुत खतरनाक बात है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे को इतना हल्का बना दिया कि एक के बाद एक कई चूकें, राजनीतिक नेतृत्व की कमजोरियां सामने आ गईं मगर पार्टी, संघ, भक्त, गोदी मीडिया किसी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। उल्टे सेना पर, सेनाध्यक्ष पर ही दोष डाल दिया गया।याद कीजिए, लद्दाख में जब चीनी सेना ने गलवान में घुसकर 20 भारतीय सैनिकों को शहीद कर दिया था तो गोदी मीडिया ने लद्दाख जाकर वहां से रिपोर्टिंग की कि चीनियों को रोकने का काम सेना का था सरकार क्या कर लेती? और सेना के पास उन्हें रोकने गोली चलाने के अधिकार ही नहीं थे यह 2020 में कुछ ही समय बाद अगस्त में तब सामने आ गया जब पूर्वी लद्दाख में ही कैलाश रिज पर चीन के चार टैंक भारतीय सीमा में बढ़े आ रहे थे। साथ में चीन के पैदल सैनिक थे। और भारत के थल सेना प्रमुख जनरल मुकुंद नरवणे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से निर्देश मांगते रहे कि बताइए क्या करना है? मगर ढाई–तीन घंटे तक उन्हें कोई जवाब नहीं दिया गया। टैंक केवल आधा किलो मीटर की दूरी पर रह गए। और उसके बाद प्रधानमंत्री का जवाब आया जो उचित समझो वह करो!यहां भी प्रधानमंत्री मोदी को इशु नहीं बनाया गया। उल्टे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा लोकसभा में राष्ट्रीय सुरक्षा में राजनीतिक नेतृत्व की निर्णय लेने की अक्षमता पर सवाल उठाने पर उनके खिलाफ ही पहले एक एफआईआर दर्ज की गई फिर लोकसभा में उनकी सदस्यता रद्द करने और उन्हें राजनीति से ही बाहर करने, चुनाव लड़ने पर हमेशा के लिए रोक लगाने का प्रस्ताव लाया गया। मुद्दा यह था कि जो उचित समझो वह करो कहना था तो तीन घंटे पहले ही क्यों नहीं कह दिया?हर मामले में प्रधानमंत्री को बचाया गया। श्रेय हर बात का उन्हीं को दिया जाता है। याद रखिए भाजपा सरकार नहीं कहा जाता मोदी सरकार ही कहा जाता है। लेकिन जिम्मेदारी किसी बात की उनकी नहीं है। पहले गलवान में 20 भारतीय सैनिकों की शहादत के मामले में नरेटिव बनाया गया कि दोष सेना का। फिर कैलाश रिज (पहाड़ी) के मामले में उसी सेना को निरूसहाय छोड़ दिया गया। जनरल नरवणे ने अपनी किताब में जिसके लिए अब कहा जा रहा है कि वह प्रकाशित ही नहीं हुई मगर यह नहीं कहा जा पा रहा कि लिखी ही नहीं गई में कहा है कि जब तीन घंटे बाद उनसे कहा गया कि जो उचित समझो वह करो तो उन्हें लगा कि जैसे वह एकदम अकेले पड़ गए। अंग्रेजी का एक मुहावरा उन्होंने लिखा है कि – जैसे हाथ में गर्म आलू दे दिया। मतलब न आप उसे खा सकते हैं, न हाथ में रख सकते हैं, और न फैंक सकते हैं क्योंकि फैंकना अपमान हो जाएगा। किंकर्तव्यविमूढ़! तो राष्ट्रीय सुरक्षा के तमाम मामले हैं जहां प्रधानमंत्री मोदी फैसला नहीं ले सके, कमजोर नजर आए मगर प्रचार के दम पर राष्ट्रीय सुरक्षा को ही महत्वहीन बना दिया गया। गलवान के बाद खुद प्रधानमंत्री के यह कहने पर भी किसी को कोई फर्क नहीं पड़ा कि न कोई घुसा है न कोई है! 20 जवान शहीद करके वहीं कब्जा करके बैठ गए। मगर प्रधानमंत्री ने कह दिया कि कोई घुसा ही नहीं। राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित कई घटनाएं हैं। पहलगाम में आतंकवादी कैसे घुस गए? कैसे 26 नागरिकों को मार दिया? कोई जवाब आज तक नहीं मिला। एक साल होने वाला है। हां मरने वालों से यह सवाल जरूर पूछा गया कि तुम वहां गए क्यों थे? और उसके बाद आपरेशन सिंदूर करने पर जब हमारी वायु सेना दिए गए टारगेटों पर निर्णायक वार कर रही थी तो अचानक अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने सीज फायर घोषित कर दिया। हमने तत्काल मान लिया। यहीं वह बात अपने आप साफ हो जाती है कि सेना राजनीतिक नेतृत्व के आधीन है। इसलिए उसने अपने बढ़त के मौके पर भी हमले रोक दिए। और जहाज वापस आने लगे। लेकिन गलवान और कैलाश रिज के मामले जो 2020 में तीन महीने के फासले पर ही हुए कहा गया कि जिम्मेदारी सेना की है। जबकि सेना को चीन के मामले में बिना राजनीतिक नेतृत्व से पूछे गोली चलाने की अनुमति नहीं है। विदेश मंत्री जयशंकर कह चुके हैं कि वह बहुत बड़ी आर्थिक शक्ति है हम उससे कैसे लड़ सकते हैं? जब मनचाहे कुछ भी कह दो। बेरोजगारी में पकौड़े बनाने की सलाह दे दो। पुलवामा में तो 40 जवान शहीद हुए थे। यह घटना भी गलवान, कैलाश रिज से एक साल पहले ही 2019 में हुई थी। उस समय वहां के राज्यपाल सतपाल मलिक से कह दिया चुप रहो! आज तक उसका भी पता नहीं चला कि इतना आरडीएक्स कैसे आया। 7 साल हो रहे हैं। जांच में क्या निकला? राष्ट्रीय सुरक्षा छोटी–मोटी घटनाओं की तरह बना दी। किसी पर कोई असर नहीं। लेकिन परिस्थितियां तेजी से बदलीं। जब आप लापरवाह हो जाते हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर जवाबदेही से बच जाते हैं। तब कहीं और बड़ी गलतियां करते हैं। और उनमें कुछ ऐसे मामले होते हैं जो अन्तरराष्ट्रीय स्तर के होते हैं। वहां भक्त और गोदी मीडिया नहीं बचा सकते। एपस्टीन फाइल ऐसा ही मामला है। खुद प्रधानमंत्री मोदी का नाम उसमें आ चुका है। और कांग्रेस मांग कर चुकी है कि खुद प्रधानमंत्री मोदी को सामने आकर इसका जवाब देना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लोकसभा में इसे सत्यापित (अथेंटिकिट) करने को तैयार थे। मगर प्रधानमंत्री मोदी बच गए। लोकसभा के सभापति ने उन्हें ऐसा नहीं करने दिया। जबकि सरकार की तरफ से संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू यह मांग कर रहे थे। लेकिन यह एपस्टीन फाइल तो मुसीबतों का पिटारा है। अभी तीस लाख फाइलें आई हैं। और इतनी ही और आना बाकी हैं। सब अधिकृत। अमेरिका का न्याय विभाग जारी कर रहा है। मोदी सरकार में मंत्री हरदीप पुरी का नाम आया है। वे स्वीकार भी कर चुके हैं कि इस घृणित सजायाफ्ता यौन अपराधी से वे मिले हैं। कितनी बार? मंत्री तीन–चार बार की तो मान गए। मगर टीएमसी की महुआ मोइत्रा ने फाइलें निकाल दी हैं। जिसमें चार सौ से ज्यादा बार मिले हैं। और विडंबना देखिए कि दुनिया भर में जिन नेताओं के नाम इसमें आए हैं वे इस्तीफे दे रहे हैं। और यहां इस्तीफा तो दूर प्रधानमंत्री मोदी उन्हें जन्मदिन की बधाई दे रहे हैं। यह खुद को सबसे अलग पार्टी होने की बात करती है। दूसरों में हमेशा कमियां निकालती रहती है। पंडित जवाहर लाल नेहरू को गुजरे हुए 62 साल होने वाले हैं।

विश्व-रंग- फ्रिट्ज हाबर : रासायनिक युद्ध का जनक वैज्ञानिक

डॉ. सुधीर सक्सेना

वह कुलीन यहूदी परिवार में जन्मा था। पिता नगर के धनाढ्य और गणमान्य व्यक्ति थे। वह कुल चार भाई–बहन थे। वह कुशाग्र बुद्धि था और उसमें बचपन से ही कुछ नया और अलहदा कर गुजरने की तड़प थी। पिता चाहते थे कि बेटा उनके नक्शे–पा चले, लेकिन पूत के पाँव पालने में देख उन्होंने उसकी इच्छापूर्ति में बाधा नहीं डाली। पूरा नाम फ्रिट्ज जैकब हाबर। जन्म हुआ 9 दिसंबर, सन 1868 को उत्तरी जर्मन परिसंघ के प्रूशिया साम्राज्य के सिलेसिया प्रांत में ब्रेस्लाऊ में व्यापारिक घराने में। हैबर–परिवार ब्रेस्लाऊ के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित परिवारों में एक था। पिता सिग्फ्राइड और माँ पौला की दो ही संतानें थीं रू पुत्र फ्रिट्ज और पुत्री एल्सी। पुत्र फ्रिट्ज बड़ा होकर सफल और विख्यात वैज्ञानिक बना। अपार शोहरत। अपार धन। वह गजब का कीमियागर था। फलतरू उसे सन 1918 में रसायन–विज्ञान का नोबेल पुरस्कार मिला। हैबर–बॉश प्रक्रिया के लिए इस पुरस्कार मिला। उसे हैबर–बॉश प्रक्रिया के लिए इस पुरस्कार से नवाजा गया। यह प्रक्रिया रसायन–उद्योग में नाइट्रोजन और हाइड्रोजन गैस से अमोनिया के संश्लेषण में प्रयुक्त विधि है। मार्के की बात यह है कि हैबर ने अपने आविष्कार से फसलों और युद्ध का नक्शा बदल दिया। एक ओर जहां उसकी ईजाद से अन्न उत्पादन में कई गुना इजाफा हुआ, वहीं उसका आविष्कार युद्ध के मोर्चे पर फतह और अनगिन मौतों का बायस बना। उसकी वैज्ञानिक विरासत खेलों में विपुल उत्पादन से करोड़ों लोगों को भोजन मुहैया करने तक ही नहीं फैली है, बल्कि वह लाखों निर्दोषों और निरपराधों की गैस चौंबरों में मौत के जघन्य पाप तक फैली हुई है। फ्रिटज हाबर की जीवन गाथा में नेकी और बदी की चरम इच्छाओं के उजले और स्याह धागे आपस में भी संशिलष्ट है। उसका वैवाहिक जीवन अशांति और अनहोनी से बिंधा रहा और उसका अंत एकाकीपन में वतन से दूर हुआ। यही नहीं, उसने लानतें झेलीं और तिरस्कार भी। वह हिटलर का प्रशंसक और भक्त था तथा स्वयं को गर्व से राष्ट्रवादी जर्मन कहता था। उसने यहूदी धर्म का परित्याग कर बपतिस्मा भी ले लिया था, लेकिन नाजियों ने उसे अपना नहीं माना। विवश होकर उसे जर्मनी छोड़ना पड़ा। यही नहीं, उसने घातक रसायनों के जरिये मौत का जो खतरनाक खेल ईजाद किया था, उसकी नृशंस और वीभत्स परिणति भयावह होलोकास्ट में हुई। नाजियों ने गैस चौंबरों के जरिये लाखों यहूदियों को निर्दयतापूर्वक मौत के घाट उतार दिया। विश्व इतिहास में चुनिंदा वैज्ञानिकों में शुमार फ्रिट्ज हाबर को केमिकल वारफेयर (रासायनिक युद्ध कर्म) के जनक के तौर पर याद किया जाता है। फ्रिट्ज के पिता का रंग–रोगन, दवा और रंगाई का कारखाना था और वह चाहते थे कि बेटा उनका कारोबार संभाले, लेकिन बेटा कीमियागर बनने को आतुर था। परिवार कर्मकांडी न होकर भी यहूदी था, लिहाजा जोहानियम स्कूल में प्राथमिक शिक्षा के बाद वह जिस सेंट एलिजाबेथ स्कूल में भर्ती हुआ, वहां प्रोटेस्टैंटों और यहूदियों के लिए पृथक कक्षाओं की व्यवस्था थी। परिवार व अन्य यहूदियों के विपरीत फ्रिट्ज स्वयं को सगर्व जर्मन दर्शाता था। वहां से निकलने पर पिता ने उसकी इच्छानुरूप उसे रसायन विज्ञान पढ़ने के लिए बर्लिन स्थित फ्रैड्रिख विल्हेम यूनिवर्सिटी में भेज दिया। पहले सेमिस्टर की हताशा उसे सन 1887 की ग्रीष्म में हाइडेलबर्ग विश्वविद्यालय ले गयी, जहां उसे राबर्ट बुन्सेन ने पढ़ाया। वहां से वह बर्लिन लौटकर टेक्नीशे होष्शूले शार्लोटेन्बर्ग में भर्ती हुआ। सन 1889 में सैन्य नोंदणी के बाद वह छठवीं फील्ट आर्टिलरी रेजीमेंट में एक वर्ष की वालंटियर सेवा में भर्ती हो गया। एक साल बाद वह शार्लोटेन्बर्ग लौटा और कार्ल लीबरमान का शिष्यत्व ग्रहण कर लिया। कार्ल के कार्बनिक रसायन के लेक्चरों के साथ–साथ वह रंगों की रसायन प्रौद्योगिकी पर आटो बिट्ट के लेक्चर भी अटेन्ड करता था। लीबरमैन द्वारा प्रदत्त विषय पर गहन शोध के फलस्वरूप उसे मई, 1891 में यूनिवर्सिटी ऑफ बर्लिन से डॉक्टरेट की उपाधि मिल गयी। इस तरह रसायनज्ञ होकर फ्रिट्ज घर लौट आया, किंतु घर में सब सुकर न था। पिता और उनके रिश्तों में खटास थी और इसकी खासी वजह थी। हुआ यह कि फ्रिट्ज के जन्म पर पौला को प्रसव में परेशानी हुई। फलतरू तीन हफ्ते बाद उसने प्राण त्याग दिये। मातृहीन फ्रिट्ज को चाचियों ने पाला। फ्रिट्ज जब छह वर्ष का हुआ, उसके व्यथित पिता ने दूसरी शादी कर ली। हेडविग हैम्बरर्गर से उसे तीन बेटियां हुईं। फ्रिटज का जन्म और पत्नी की मौत का संदर्भ सिग्फ्राईड कभी भुला नहीं सके। फ्रिट्ज ने विमाता और बहनों से किसी तरह पटरी बिठाये रखी। रिश्ते कैसे भी रहे हों, उसे पिता के रसूख का खूब लाभ मिला। उनकी बदौलत उसे बड़े कारखानों और आसवनी में काम का मौका मिला। पिता की मनुहार कर वह एक सेमेस्टर के लिए ज्यूरिख के पॉलीटेक्नीक कॉलेज में जार्ज लुंग के साथ अध्ययन हेतु भर्ती हो गया। वहां से लौटकर पिता के काम में हाथ बँटाने वह ब्रेस्लाऊ लौटा, लेकिन पिता–पुत्र के रिश्तों में बल पड़ते गये। पिता को पुत्र का प्राकृतिक के बजाय कृत्रिम रंगों के इस्तेमाल का सुझाव फला, किंतु हैजे की महामारी पर थोक में कैल्शियम हाइपोक्लोराइट खरीदने से हुये नुकसान से पुत्र को पिता ने घर से रूख्सत कर दिया। पिता से विच्छेद के बाद उसकी नयी पारी शुरू हुई। वह स्वयं को यहूदी कम, जर्मन अधिक मानता था। सन 1892–94 के दरम्यान वह जेना विश्वविद्यालय में लुडविग नॉर का सहायक रहा। इसी दरम्यान वह यहूदी से ईसाइयत के लूथर संप्रदाय में दीक्षित हुआ। मकसद था बेहतर करियर। लुडविग ने उसकी सिफारिश काल्सरूहे विश्वविद्यालय में कार्ल एंग्लर से की और कार्ल ने हैंस बुन्हे से, जिसने उसे अपना सहायक बना लिया। वहीं उसने हाइड्रोकार्बनों की पुनर्वास थीसिस प्रस्तुत की। इस पर उसे अध्ययन का दायित्व मिला और संस्थान ने रंगरेजी की प्रौद्योगिकी के अध्ययन हेतु उसे बाहर भेजा। विद्युत रासायनिकी के उच्च अध्ययन और शोध के लिये वह एक बार फिर बाहर गया। अध्ययन और अनुसंधान तथा ख्याति का यह क्रम चलता रहा। वह असोशियेट प्रोफेसर बना और ग्रांड ड्यूक फ्रेडरिख वॉन बाडेन ने उसे एक्स्ट्राऑर्डिनेरियस से विभूषित किया। जल्द ही वह कार्ल्सरूहे में भौतिक रसायन का प्रोफेसर बन गया। सन 1894 से सन 1911 के दरम्यान लगातार प्रयोगों के बाद उसने उच्च दाब और ताप से अमोनिया के उत्प्रेरकीय–निर्माण में सफलता अर्जित की, जिससे सन 1894 में प्रस्तुत ली शतेलिये के सिद्धांत पुष्टि हुई। अमोनिया के बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए उसने बास्फ के कार्ल बाश से भागीदारी की। नतीजा सार्थक रहा। औद्योगिक रसायन में हाबर–बॉश प्रक्रिया मील का पत्थर मानी गई। अब तक कृषि उत्पादन प्राकृतिक अमोनिया पर निर्भर था।

केजीएमयू में जहर का शिकार महिला को भर्ती करने से इन्कार के बाद मृत्यु होने पर हाईकोर्ट स्तब्ध

लखनऊ, (संवाददाता)। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) में आधी रात को एक गंभीर मरीज को बिस्तर न होने का हवाला देकर भर्ती करने से इन्कार करने की घटना पर हाईकोर्ट ने आक्रोश व्यक्त किया है। कथित तौर पर जहर का शिकार हुई महिला की इलाज न मिलने के कारण अगले दिन मृत्यु हो गई थी। इस गंभीर मामले की सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने कहा कि मुख्य सचिव को इस मामले को देखने और 19 मार्च को अगली सुनवाई पर रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है कोर्ट ने ये भी निर्देश दिया कि रिपोर्ट में प्रमुख सचिव (गृह) के व्यक्तिगत हलफनामे को भी शामिल किया जाए। ऐसा न होने पर उन्हें व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होने

का निर्देश दिया जा सकता है। न्यायमूर्ति अब्दुल मोइन और न्यायमूर्ति बबिता रानी की खंडपीठ ने इस घटना को श्श्स्तब्धश्श करने वाला बताया। कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में कहा कि जब राजधानी का प्रमुख मेडिकल कॉलेज ही आपातकालीन स्थिति में मरीजों को बिस्तर न होने के कारण वापस भेज देता है, तो यह प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। हाईकोर्ट ने इस मामले में फोरेंसिक जांच में हुई अत्यधिक देरी पर भी गहरी आपत्ति जताई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़िता के विसरा नमूने 26 सितंबर, 2025 को फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) में जांच के लिए भेजे गए थे, लेकिन चार महीने बीत जाने के बाद भी रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई थी। खंडपीठ ने इस पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अधिकारियों का यह कर्तव्य है कि वे फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला से रिपोर्ट समय पर प्राप्त करना सुनिश्चित करें। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि कर्मचारियों की कमी या प्रयोगशालाओं की संख्या कम होने जैसी कोई समस्या है, तो सरकार को अपनी सुस्ती छोड़कर सक्रिय और उचित कदम उठाने चाहिए। यह उम्मीद नहीं की जाती कि प्रत्येक नागरिक को फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला से रिपोर्ट प्राप्त करने के लिए भी न्यायालय का सहारा लेना पड़े। यह सुनवाई उर्मिला की ओर से दायर आपराधिक याचिका पर हो रही थी।

लखनऊ कोर्ट को फिर बम से उड़ाने की धमकी, ई-मेल में आईएसआई का जिक्र

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ कोर्ट में ई-मेल से सोमवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी मिली। जानकारी मिलते ही पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया। पुलिस, डॉग और बम स्क्वॉड पहुंची। कोर्ट परिसर में सघन चेकिंग अभियान शुरू किया। कोई संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति नहीं मिला है। इससे पहले शुक्रवार को भी कोर्ट परिसर में चेकिंग की गई थी। तीन दिन पहले भी लखनऊ समेत 18 जिलों में एक ई-मेल से दहशत फैल गई थी। धमकी भरा मैसेज लखनऊ में जिला जज को ई-मेल से भेजा गया

था। मैसेज मिलने के बाद फौरन कचहरी को खाली करा लिया गया। बम निरोधक दस्ते के बाद पुलिस टीम ने कचहरी में छानबीन की। हालांकि, वहां कोई बम नहीं मिला। धमकी भेजने वाले ने लिखा था कि शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद दोपहर दो बजे कचहरी में धमाका किया जाएगा। अगर बचा सकते हो तो बचा लो। इस मामले की जानकारी वजीरगंज पुलिस को दी गई। इसके बाद खुफिया एजेंसियां अलर्ट हो गईं। बड़ी संख्या में पुलिस बल कचहरी पहुंची।

संक्षिप्त खबरें

राजनीति के आगे जलने वाला मशाल है साहित्य

लखनऊ, (संवाददाता)। विधानभवन मार्ग स्थित जनवादी लेखक संघ कार्यालय में रविवार को कथाकार अवधेश कुमार श्रीवास्तव की स्मृति में कार्यक्रम हुआ। संघ के 45वें स्थापना दिवस पर प्रगतिशील साहित्य और आज का समय विषय पर विचार विमर्श भी हुआ। जनवादी लेखक संघ के सचिव नलिन रंजन सिंह ने कहा कि प्रेमचंद भी कहते थे कि साहित्य राजनीति के आगे जलने वाला मशाल है। यानी आज के दौरान में जब चुनौतियां आईं प्रगतिशील साहित्यकारों ने उस चुनौतियों से लड़ने का साहस दिया। परिचर्चा में सुभाष राय, समीना खान व अन्य शामिल हुए।

शोभायात्रा में शामिल हुए आर्य समाज के प्रतिनिधि

लखनऊ, (संवाददाता)। मोती नगर स्थित बाल सदन से रविवार को जिला आर्य प्रतिनिधि सभा की ओर से ऋषि दयानंद बोध शोभा यात्रा निकाली गई। संस्थान की आचार्या डॉ. निष्ठा विद्यालंकार ने बताया कि आर्य समाज के लोगों ने हाथों में ओम पताका लिए शोभायात्रा में शामिल हुए। दयानंद बाल सदन के विद्यार्थी और आचार्य प्रीति विमर्शिनी, आचार्य विमल आर्य,प्रेम शंकर मौर्य व भव्य शंकर ने बीच-बीच में ओम का झंडा ऊंचा करते रहे। कार्यक्रम में आनंद मोहन तिवारी,रण सिंह, शिव शंकर वैश्य व अन्य शामिल हुए।

छायाचित्रों में आस्था, कला और प्रकृति का संगम

लखनऊ, (संवाददाता)। अलीगंज स्थित कला स्रोत आर्ट गैलरी में रविवार को पुनीत कात्यायन के 38 छायाचित्रों की प्रदर्शनी गजानन में आस्था, कला और प्रकृति का अनूठा संगम देखने को मिला। सभी छायाचित्र केवल 2 से 3 इंच के छोटे फ्रेम में क्लिक किए गए। प्रदर्शनी का उद्घाटन पद्मश्री डॉ. अनिल रस्तोगी, जय कृष्ण अग्रवाल, वरिष्ठ छायाकार अनिल रिसाल सिंह, अमित टंगारी और रजनीश रावत ने किया। पुनीत कात्यायन राजधानी के एक स्वतंत्र छायाकार, कलात्मक फोटोग्राफर और विजुअल स्टोरीटेलर हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के कॉलेज ऑफ आर्ट्स से शिक्षा ग्रहण करने के बाद आर्ट डायरेक्टर के रूप में कार्य कर रहे हैं और वर्तमान में वे एमिटी विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। पुनीत ने बताया कि प्रदर्शनी में प्रदर्शित छवियां इसी प्राकृतिक बनावट से प्रेरित एक विशिष्ट दृश्य संसार रचती हैं, जिनमें आश्चर्य, कल्पनाशीलता, नवाचार और त्वरित दृश्य-बोध का संतुलन दिखाई देता है।

गोआश्रय में हुआ नंदी व गो पूजन

लखनऊ, (संवाददाता)। महाशिवरात्रि पर रविवार को निराश्रित गोआश्रय स्थलों पर विशेष उत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान नंदी व गायों का विधिवत पूजन किया गया। पशुपालन विभाग की देखरेख में ग्राम प्रधानों ने गोआश्रय स्थलों पर पहुंचकर गायों व नंदी को माला पहनाई तथा उन्हें गुड़, मिष्ठान और फल खिलाए। कनेरी स्थित आदर्श गोआश्रय स्थल पर भी विशेष कार्यक्रम आयोजित हुआ।

उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा माननीय उच्च न्यायालय

लखनऊ, (संवाददाता)। प्राधिकरणों के लिए मल्टी यूटिलिटी वाहनों के फ्लैग-ऑफ समारोह और राज्य मध्यस्थता हेल्पलाइन के शुभारंभ कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। यह पहल सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक विधिक जागरूकता पहुँचाने और विवादों के त्वरित निस्तारण की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम सिद्ध होगी।उक्त कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय न्यायमूर्ति श्री विक्रम नाथ, न्यायाधीश, सर्वोच्च न्यायालय एवं कार्यपालक अध्यक्ष, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली द्वारा किया गया। इस अवसर पर माननीय न्यायमूर्ति श्री पंकज मित्तल, न्यायाधीश, सर्वोच्च न्यायालय, माननीय न्यायमूर्ति श्री अरुण भंसाली, मुख्य न्यायाधीश, इलाहाबाद उच्च न्यायालय, माननीय न्यायमूर्ति श्री देवेंद्र कुमार उपाध्याय, मुख्य न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, दिल्ली, माननीय न्यायमूर्ति श्री श्री. चंद्रशेखर, मुख्यन्यायाधीश, उच्च न्यायालय, बॉम्बे, माननीय न्यायमूर्ति श्री महेश चंद्र त्रिपाठी, वरिष्ठ न्यायाधीश, इलाहाबाद उच्च न्यायालय तथा अन्य माननीय न्यायमूर्तिगण ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम को सुशोभित किया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश शासन तथा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार, प्रदेश के प्रत्येक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को विधिक जागरूकता हेतु विशेष प्रचार वाहन उपलब्ध कराए गए हैं। इन वाहनों का मुख्य उद्देश्य जनपद के अत्यंत पिछड़े एवं ग्रामीण क्षेत्रों तक विधिक सेवा गतिविधियों का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करना है। इन वाहनों के माध्यम से निःशुल्क विधिक सेवाओं तथा विभिन्न जनकल्याणकारी शासकीय योजनाओं की जानकारी समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति तक पहुँचाई जाएगी। इस परियोजना हेतु वित्तीय प्रबंध राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली द्वारा किया गया है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ष्भ यस्थता हेल्पलाइनष् 1800-180-1212 का भी विधिवत शुभारंभ किया गया। इस हेल्पलाइन के माध्यम से आम जनमानस अपने विवादों के समाधान हेतु मध्यस्थता प्रक्रिया के संबंध में निःशुल्क परामर्श एवं आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। यह डिजिटल पहल वैकल्पिक विवाद निस्तारण प्रणाली को सुदृढ़ करने तथा न्याय की प्रक्रिया को सरल, त्वरित एवं सुलभ बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. मनु कलिया, सदस्य सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा किया गया। उनके कुशल संचालन और विषय पर गहरी पकड़ ने पूरे कार्यक्रम को अत्यंत व्यवस्थित और गरिमापूर्ण बनाए रखा। डॉ. कलिया द्वारा प्रस्तुत की गई रूपरेखा और उनके प्रखर संबोधन की उपस्थित अतिथियों द्वारा मुक्त कंठ से प्रशंसा की गई।

तेज होगी नोटिसों की सुनवाई, बढ़ाए गए 3700 एईआरओ अभी सुने गए हैं महज 26 फीसदी केस

लखनऊ, (संवाददाता)। मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत दिए गए नोटिसों की सुनवाई में तेजी लाने के लिए करीब 3700 सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (एईआरओ) और लगाए गए हैं। इसके लिए यूपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने चुनाव आयोग से अनुमति लेकर आदेश जारी कर दिया है। सवा तीन करोड़ मतदाताओं को मिलेगा चुनाव आयोग का नोटिस, 6 मार्च तक दे सकेंगे जवाबय उम्र में अंतर को लेकर समस्याएं उत्तर प्रदेश में वर्ष 2003 की मतदाता सूची से मैपिंग न हो पाने के कारण 1.04 करोड़ मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए हैं। इसके अलावा तार्किक असंगति के कारण 2.22 करोड़ मतदाताओं को नोटिस की प्रक्रिया में शामिल किया गया है। इस तरह से कुल 3.26 करोड़ मतदाताओं की

सुनवाई होगी। इनमें से अभी तक 85 लाख मतदाताओं की ही नोटिस की सुनवाई पूरी हो सकी है। यहां बता दें कि प्रदेश में दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की समय सीमा आयोग ने 6 मार्च तक बढ़ाई है। जबकि, नोटिसों की सुनवाई 27 मार्च तक होगी। अंतिम मतदाता सूची अब 10 अप्रैल को प्रकाशित होगी। पहले यूपी में नोटिसों की सुनवाई के लिए 8990 एईआरओ और 403 ईआरओ लगाए गए थे। नोटिसों की सुनवाई में तेजी लाने के लिए 3700 एईआरओ और लगा दिए गए हैं, ताकि निर्धारित समयसीमा के भीतर यह काम पूरा हो सके। ये एईआरओ मेरठ, शाहजहांपुर, लखनऊ, रायबरेली, ललितपुर, हमीरपुर, बलरामपुर और देवरिया के अलावा शेष सभी जिलों में बढ़ाए गए हैं।

संक्षिप्त खबरें

सिरसागंज में बन रहा उत्तर प्रदेश का पहला आर्य गुरुकुल म्यूजियम, 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण

लखनऊ, (संवाददाता)। ब्रज क्षेत्र में सांस्कृतिक विरासत को आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रदर्शित करने के उद्देश्य से सिरसागंज में 24.45 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा उत्तर प्रदेश का पहला आर्य गुरुकुल म्यूजियम तेजी से तैयार हो रहा है। परियोजना का लगभग 80 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा किया जा चुका है।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने हाल ही में समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह म्यूजियम न केवल प्रदेश के पर्यटन को नई पहचान देगा, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का प्रभावी माध्यम भी बनेगा।म्यूजियम में इतिहास को इमर्सिव लर्निंग, विजुअल स्टोरीटेलिंग और इंटरैक्टिव डिस्प्ले के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। यहां स्थापना काल, संस्थापकों का योगदान, स्वतंत्रता आंदोलन में भूमिका, सिद्धांत एवं विचारधारा, योग की महत्ता और वर्तमान समय में उसकी प्रासंगिकता जैसे विषयों पर अलग-अलग जोन विकसित किए गए हैं।परिसर में ऑडिटोरियम, मल्टीपर्पज हॉल, एम्फीथिएटर, हेलीपैड और फायर फाइटिंग सिस्टम का ढांचा तैयार हो चुका है। बाहरी विद्युतीकरण, ट्यूबवेल और अन्य आधारभूत कार्य प्रगति पर हैं। अधिकारियों के अनुसार परियोजना को तय समय में पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। मंत्री ने कहा कि यह म्यूजियम अतीत की गौरवगाथा को आधुनिक स्वरूप में प्रस्तुत करेगा और ब्रज क्षेत्र को नई सांस्कृतिक पहचान प्रदान करेगा।

प्रदेशभर में आयोजित 240वां मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेला

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश सरकार की स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने की पहल के तहत 15 फरवरी 2026 को पूरे उत्तर प्रदेश में 240वां मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेला आयोजित किया गया। 2 फरवरी 2020 से प्रारंभ यह मेला ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आमजन, विशेषकर समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है।इस बार आयोजित मेले में कुल 1,04,705 मरीजों ने लाभ उठाया, जिनमें 47,720 पुरुष, 44,714 महिलाएं और 12,271 बच्चे शामिल रहे। 1,232 गंभीर मरीजों को उच्च चिकित्सा केंद्रों के लिए रेफर किया गया तथा 4,534 गोल्डेन कार्ड वितरित किए गए।मेले में जांच, उपचार और दवा वितरण के साथ-साथ स्वच्छता, जलजनित एवं मच्छरजनित रोगों से बचाव, तंबाकू सेवन के दुष्प्रभाव, गैर संचारी रोगों की रोकथाम, संतुलित आहार, व्यायाम और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। डेंगू के 1,498 परीक्षणों में 7 मरीज पॉजिटिव पाए गए, जबकि 126 कोविड एंटीजन जांच में कोई भी मामला पॉजिटिव नहीं मिला।अब तक आयोजित मेलों में कुल 14 करोड़ से अधिक मरीज लाभान्वित हो चुके हैं और लाखों गोल्डेन कार्ड बनाए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेला प्रदेश में सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

शिवालयों में गूंजा हर हर महादेव... बराती बन झूमे शहरवासी

लखनऊ, (संवाददाता)। महाशिवरात्रि की भोर से ही ओम नमः शिवाय... और हर हर महादेव... के उद्घोष से राजधानी के शिवालय गूंज उठे। राजेंद्रनगर स्थित महाकाल महादेव मंदिर, डालीगंज स्थित मनकामेश्वर मंदिर, चौक के कोनेश्वर महादेव, और बुद्धेश्वर महादेव जैसे प्रमुख मंदिरों में शनिवार देर रात से ही भोलेनाथ के दर्शन-पूजन के लिए भक्तों की कतारें लग गईं। भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद शिवालयों के कपाट खुले तो भक्तों का रेला उमड़ पड़ा। लंबी-लंबी कतारों में लगे शिवभक्तों के जोश से राजधानी शिवमय हो गई। लखननगरी में रविवार को भगवान शंकर के भक्तों ने शिवालयों में जाकर विधि-विधान से पूजन किया। व्रत रखा और धतूरा, भांग, दूध, दही, शहद, गंगाजल, बेलपत्र, गन्ने के रस, बेर आदि सामग्रियों से अपने आराध्य देव का अभिषेक किया। अलग-अलग स्थानों से निकली शिव बरात में गाजे-बाजे संग देव-असुर, भूत-पिशाच और

नर-नारियों का हुजूम नाचते-गाते हुए जिधर से भी निकला भक्तों ने स्वागत किया। दर्शन-पूजन के साथ रुद्राभिषेक, भस्म आरती, भंडारे और भजन-कीर्तन का सिलसिला रात तक चला। शहर के प्रमुख मंदिरों में न सिर्फ राजधानी से बल्कि आसपास के जिलों से भी बड़ी संख्या में लोग दर्शन-पूजन के लिए पहुंचे। चौक स्थित कोतवालेश्वर महादेव मंदिर में शाम को ढोल-ताशों के बीच भव्य आरती के दौरान सैकड़ों भक्तों की मौजूदगी ने माहौल को शिवमय बना दिया। साधु-संतों की मौजूदगी में भ्रमण यात्रा और रुद्राभिषेक में बड़ी संख्या में भक्त उमड़े। कपीश्वर वैदिक गुरुकुल से जुड़े विवेक तांगड़ी की मौजूदगी में हुई आरती में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच ओम नमरू शिवाय गूंजता रहा। समारोह के अंत में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी हुईं और भक्तों में प्रसाद वितरण किया गया। ठाकुरगंज स्थित कल्याण गिरी मंदिर से शिव बरात निकली। केसरिया और पीले वस्त्रों में सजीं महिलाएं नाचते गाते चल रही थीं। सजे-धजे रथों पर सवार भगवान के विभिन्न स्वरूप श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दे रहे थे। बालागंज और चौक चौराहा होते हुए कोनेश्वर मंदिर के पास पुष्प वर्षा से बरातियों का स्वागत किया गया। बरात वापस कल्याण गिरी मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। मंदिर महंत महावीर गिरी महाराज की सानिध्य में यह आयोजन हुआ। आयोजन समिति से अनुराग पांडेय, अमिताभ पांडेय, अमित शुक्ला, दीपक गुप्ता, रत्नेश शास्त्री व हजारों भक्त शामिल रहे। शिव शक्ति समिति की ओर से भी मोतीनगर से राजेंद्र नगर चौराहा होते हुए निवास खेड़ा तक शिव बरात निकाली गई। अलीगंज में सेक्टर एम स्थित शिव मंदिर साईं आश्रम से शिव बरात निकाली गई तो झांकियों ने राहगीरों के कदम थाम लिए। भस्म आरती और अघोरियों के वेश में नृत्य करते कलाकारों ने शिव के रौद्र और सौम्य दोनों रूपों का सजीव चित्रण किया। राधा-कृष्ण और अन्य देवी-देवताओं की मनमोहक झांकियों ने बारात की सुंदरता में चार चांद लगा दिए। देर शाम बरात कन्हैया बाजार स्थित काली जी मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। आयोजन समिति के मुख्य सदस्य शैलेंद्र तिवारी, संजय मिश्रा, नीरज श्रीवास्तव, मनोज शर्मा, राजेश तिवारी, अजय, राहुल वर्मा आदि लोग मौजूद रहे। निरालानगर स्थित नर्मदेश्वर का सूर्य देव शृंगार किया गया। मंदिर समिति के प्रमुख अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि अंकशास्त्र के अनुसार 2026 श्श्सूर्यश्श का वर्ष है। ऐसे में विभिन्न मौसमी फलों से सूर्य शृंगार कर विश्व शांति की कामना की गई। महिला मंडली ने भजनों की प्रस्तुतियां दीं। पंडित आकाश की अगुआई में पूजन अनुष्ठान संपन्न हुए। ठंडाई का प्रसाद वितरित किया गया। बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में श्श्सुर ताल संगमश्श संस्था की ओर से दिव्य भजन संध्या की गई। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के प्रांत अध्यक्ष यश पाल सिंह चौहान और विशिष्ट अतिथि नेपाल से आईं पार्श्व गायिका अंजलि पटेल ने की। संस्था की संस्थापिका डॉ. जया श्रीवास्तव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिव की महिमा का बखान किया।

उत्तर प्रदेश में 'साथी पोर्टल' लागू करने को दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

लखनऊ, (संवाददाता)।। भारत सरकार द्वारा विकसित 'साथी'(।.ज्भ्) पोर्टल' के द्वितीय चरण को उत्तर प्रदेश में प्रभावी रूप से लागू करने के लिए कृषि निदेशक, उत्तर प्रदेश की अध्यक्षता में 13 और 14 फरवरी को कृषि निदेशालय में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भारत सरकार के वरिष्ठ तकनीकी विशेषज्ञों तथा छंजपवदंस प्दवितउंजपबे ब्मदजतम (एनआईसी) के अधिकारियों ने पोर्टल के तकनीकी और संचालन संबंधी पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी।प्रशिक्षण का उद्देश्य बीज व्यवसाय में पारदर्शिता बढ़ाना और डिजिटल माध्यम से किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले प्रमाणित बीज उपलब्ध कराना है। पहले दिन बीज उत्पादक संस्थाओं, एफपीओ और निजी कंपनियों को प्रशिक्षण दिया गया, जबकि दूसरे दिन जनपद स्तरीय अधिकारियों तथा थोक एवं फुटकर बीज विक्रेताओं को तकनीकी जानकारी प्रदान की गई। प्रतिभागियों को अपने-अपने जिलों में मास्टर ट्रेनर के रूप में अन्य विक्रेताओं को प्रशिक्षित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।विभाग ने निर्देश दिया है कि अप्रैल माह से बीज व्यवसाय का संचालन अनिवार्य रूप से 'साथी पोर्टल' के माध्यम से किया जाए।साथी पोर्टल' कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा विकसित एक एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जो बीज उत्पादन, प्रमाणीकरण और वितरण की पूरी प्रक्रिया को ट्रैक करता है। किसान क्यूआर कोड स्कैन कर बीज की गुणवत्ता और स्रोत की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, जिससे नकली बीजों पर प्रभावी रोक लगाई जा सकेगी।

एटीएम कार्ड बदलकर 30 लाख की ठगी करने वाले दो अंतरराज्यीय शातिर गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के उत्तरी जोन अंतर्गत थाना मडियांव एवं क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने एटीएम कार्ड की हेराफेरी कर लोगों के खातों से धनराशि निकालने वाले दो अंतरराज्यीय शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से विभिन्न बैंकों के 181 एटीएम कार्ड, चार कूटरचित आधार कार्ड, दो एंड्रॉयड मोबाइल, 2050 रुपये नकद तथा घटना में प्रयुक्त स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल बरामद की है।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्तों ने उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली सहित अन्य राज्यों में करीब 110 लोगों के एटीएम कार्ड बदलकर लगभग 30 लाख रुपये की ठगी की है। लखनऊ में मडियांव, जानकीपुरम, पारा, चिनहट, आलमबाग, नाका, कैसरबाग सहित विभिन्न क्षेत्रों में पिछले तीन वर्षों से सक्रिय होकर करीब 20 बैंक खातों से हेराफेरी की गई।मामले का खुलासा उस समय हुआ जब 7 सितंबर 2025 को अलीगंज निवासी सुषमा श्रीवास्तव ने एटीएम कार्ड बदलकर 2 लाख 40 हजार रुपये निकालने की शिकायत दर्ज कराई। इसके अतिरिक्त 12 फरवरी 2026 को पारा क्षेत्र के दो अन्य पीड़ितों ने भी एटीएम बदलकर धनराशि निकाले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई। इन प्रकरणों में थाना मडियांव पर संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया था।14 फरवरी 2026

को मुखबिर की सूचना पर जीएसआई पावर हाउस चौराहे के पास स्थित एसबीआई एटीएम के निकट बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल पर खड़े दो संदिग्धों को पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम शहबान पुत्र तजम्मुल हुसैन निवासी प्रतापगढ़ तथा दिलशाद पुत्र बसीर निवासी प्रतापगढ़ बताए। तलाशी के दौरान उनके पास से भारी संख्या में एटीएम कार्ड व अन्य सामग्री बरामद हुई।पूछताछ में अभियुक्तों ने स्वीकार किया कि वे एटीएम बूथ पर विशेष रूप से महिलाओं और बुजुर्गों को पैसा निकालने में मदद के नाम पर उनका कार्ड बदल देते थे और बाद में खातों से धनराशि निकाल लेते थे। निकाली गई रकम से उन्होंने मोटरसाइकिल खरीदी और अन्य शौक पूरे किए। दोनों के विरुद्ध विभिन्न जनपदों में पूर्व से भी धोखाधड़ी, एनडीपीएस एक्ट व अन्य धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं।बरामदगी के आधार पर थाना मडियांव में संबंधित धाराओं में नया अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई पूर्ण करते हुए अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी संबंधित जनपदों से जुटाई जा रही है। गिरफ्तारी के दौरान सर्वोच्च न्यायालय एवं मानवाधिकार आयोग के निर्देशों का पालन किया गया।

मूल निवासी संघ का कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन, राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। यूपी के जौनपुर के कलेक्ट्रेट परिसर में मंगलवार को मूल निवासी संघ के अध्यक्ष छोटे लाल के नेतृत्व में सैकड़ों के संख्या में उपस्थित मूल निवासी संगठन के लोगो ने विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के उपरांत संघ के पदाधिकारियों ने राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट जिला सौंपा और अपनी मांगों पर गंभीरता से विचार किए जाने की अपील की। संघ की प्रमुख मांगों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को पदोन्नति में समुचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना तथा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (एससीध् एसटी) पर क्रीमी लेयर लागू करने के किसी भी प्रयास को रोकना शामिल है। जिलाध्यक्ष छोटे लाल ने कहा कि ओबीसी वर्ग पर लागू क्रीमी लेयर व्यवस्था को समाप्त किया जाना चाहिए। उन्होंने इसे भेदभावपूर्ण बताते हुए कहा कि यह सामाजिक न्याय की मूल भावना के विपरीत है। उन्होंने भारत सरकार अधिनियम 1935 और संविधान के अनुच्छेद 16 का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रतिनिधित्व का आधार सामाजिक पिछड़ापन होना चाहिए, न कि केवल आर्थिक स्थिति। ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि ओबीसी वर्ग के सरकारी कर्मचारियों को पदोन्नति में उचित अवसर और प्रतिनिधित्व दिया जाए। संघ ने संविधान के नीति–निदेशक तत्वों को प्रभावी रूप से लागू करने तथा इसके लिए एक समग्र कानून बनाने की आवश्यकता जताई, ताकि सभी वंचित वर्गों को प्रशासनिक और संस्थागत ढांचे में भागीदारी मिल सके। संगठन ने संसद से एक व्यापक अधिनियम बनाने की मांग की है, जिसके माध्यम से केंद्र और राज्य सरकारों की सार्वजनिक सेवाओं, मंत्रिपरिषद, न्यायपालिका, चयन समितियों, साक्षात्कार बोर्ड, निदेशक मंडलों तथा विश्वविद्यालयों की शासी निकायों में एससी, एसटी और ओबीसी वर्गों को आनुपातिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जा सके। इसके अतिरिक्त, संघ ने जाति या लैंगिक भेदभाव को बढ़ावा देने वाले साहित्य और प्रचार सामग्री पर प्रतिबंध लगाने तथा संविधान का अपमान करने वालों के विरुद्ध कड़े प्रावधान लागू करने की मांग की। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि उनकी सभी मांगें राष्ट्रहित और संविधानसम्मत व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से उठाई गई हैं।

हत्या के प्रयास मामले में गड़वार पुलिस की बड़ी कार्रवाई

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

गड़वार(बलिया)। थाना क्षेत्र के सिहांचवर खुर्द गांव में पिछले वर्ष अक्टूबर में हुए गोलीकांड के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। हत्या के प्रयास से संबंधित इस प्रकरण में वांछित चल रहे चौथे आरोपी सिहांचवर कला निवासी अजय प्रताप सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक बलिया ओमवीर सिंह के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) कृपाशंकर के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी नगर मो. उस्मान व थानाध्यक्ष गड़वार हितेश कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम सक्रिय थी। जानकारी के अनुसार सोमवार को उपनिरीक्षक अनिल कुमार यादव अपने साथियों के साथ क्षेत्र में वांछित अभियुक्तों की तलाश में थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि केस संख्या 229/2025 से संबंधित वांछित आरोपी के जिगनी खास स्थित निर्माणाधीन पुलिया के पास मौजूद होने की जानकारी मिली। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर सिहांचवर कला निवासी अजय प्रताप सिंह को दोपहर में गिरफ्तार कर लिया। उल्लेखनीय है कि बीते 6 अक्टूबर को सिहांचवर खुर्द गांव में हुए गोलीकांड में गांव के ही सूरज राजभर को गोली लगी थी। इस मामले में कुल आठ लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया था। अब तक चार आरोपितों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि शेष की तलाश जारी है। अभियुक्त के विरुद्ध 229/2025 धारा 109(1), 191(2), 191(3), 115(2), 352, 351(3) बीएनएस थाना गड़वार में पंजीकृत है। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायालय भेज दिया गया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अनिल कुमार यादव, आरक्षी मानसिंह यादव और आरक्षी शिवम पटेल शामिल रहे। थानाध्यक्ष हितेश कुमार ने बताया कि शेष आरोपितों की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

एमआर टीकाकरण अभियान का शुभारंभ,सीएमओ ने किया सीएचसी का औचक निरीक्षण

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। खसरादृरूबेला जैसी संक्रामक बीमारियों से बच्चों को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोहावल के तत्वाधान में प्राथमिक विद्यालय जगनपुर में लगाए गए एम आर टीकाकरण अभियान का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. देवेंद्र कुमार भिटौरिया ने किया।अभियान के तहत 5 से 10 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को टीका लगाया गया।टीकाकरण के बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सोहावल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ओपीडी, महिला व पुरुष वार्ड, लेबर रूम, दवा वितरण काउंटर, स्टाफ उपस्थिति रजिस्टर, साफ–सफाई व्यवस्था तथा मरीजों के बैठने की सुविधाओं का जायजा लिया गया।मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सब कुछ ठीक–ठाक बताया।

कार की टक्कर से साइकिल सवार बुजुर्ग की मौत

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। अयोध्या–रायबरेली राजमार्ग पर बरई पारा के पास तेज रफ्तार अज्ञात कार ने साइकिल सवार बुजुर्ग को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार साइकिल समेत बुजुर्ग को करीब 50 मीटर तक घसीटती रही।घटना की सूचना पर स्थानीय लोग व ग्राम प्रधान ह्रदेश यादव ने डायल 112 और एंबुलेंस को बुलाया। एंबुलेंस लगभग आधे घंटे बाद पहुंची और घायल को सौ शैय्या संयुक्त चिकित्सालय, कुमारगंज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। समाचार प्रेषण तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी।पुलिस ने शव को अस्पताल में रखवाकर पहचान के प्रयास शुरू कर दिए हैं और तस्वीर सोशल मीडिया पर जारी की है।आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही।

कड़ी सुरक्षा मे 13 परीक्षा केदो पर शुरू हुई सीबीएसई बोर्ड परीक्षा

अयोध्या। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सीबीएसई बोर्ड की हाई स्कूल की परीक्षा मंगलवार को पहले दिन चांदपुर ढंग से संपन्न हुई इस संबंध में सीबीएसई बोर्ड परीक्षा प्रभारी अजीत द्विवेदी ने बताया इस बार सीबीएसई बोर्ड के लिए कल 13 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।जिसमे 56 विद्यालयों के हाई स्कूल बाई इंटर के 4500 परीक्षार्थी परीक्षा दे रहे हैं।बताया कि इस बार आर्मी पब्लिक स्कूल, केंद्रीय विद्यालय,नवोदय विद्यालय,महाराजा पब्लिक स्कूल,अवध इंटरनेशनल स्कूल,कैंब्रियन स्कूल,जयपुरिया स्कूल,जिंगल बेल अकादमी,भवदीय स्कूल,नरेंद्र देव कुमारगंज, टाइनी टाट्स स्कूल, अनिल सरस्वती विद्या मंदिर उदया पब्लिक स्कूल को परीक्षा केंद्र बनाया गया है।सभी 13 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा सकुशल संपन्न हुई। किसी परीक्षा केंद्र से किसी प्रकार की अव्यवस्था की सूचना नहीं मिली है।उपरांत सभी कॉपियों का संकलन कर बोर्ड मुख्यालय को भेज दिया गया।

आधार सेवाओं को दी जाय प्राथमिकता : हरे कृष्ण यादव

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।आधार नामांकन तथा संशोधन के कार्य को गति देने के लिए अधीक्षक डाकघर अयोध्या मंडल, हरे कृष्ण यादव ने अपने कार्यालय में अपने मातहतों के साथ बैठक किया । बैठक के दौरान आधार सेवा वाले डाकघरों को निर्देशित किया कि आधार नामाकन तथा संशोधन के लिए प्रतिदिन ग्राहकों को सेवाएं दी जाए । साथ ही बताया कि दूर दराज गांवों में आधार कैम्प के माध्यम से नामाकन व संशोधन का कार्य किया जा रहा है, कैम्प के लिए मण्डल कार्यालय में आवेदन करने पर उनके प्रार्थना पत्र पर विचार कर कैम्प लगाया जा रहा है । इस दौरान मुख्य विपणन अधिकारी सत्येन्द्र प्रताप सिंह ने आधार संशोधन के दरों के बारे में बताया कि नया आधार बनवाने पर निशुल्क सुविधा तथा निवास, नाम, जन्मतिथि, मोबाइल नंबर संशोधन पर 75 रुपये फीस है और बायोमेट्रिक करवाने पर 125 रुपये फीस है । साथ ही बताया कि अयोध्या जनपद में अयोध्या सिटी (चौक, कनक मार्केट) अयोध्या कैन्ट रेलवे स्टेशन, अयोध्या धाम, सोहावल, मोतीनगर, रूदौली, मीरमऊ, गोसाईगंज, कुचेरा, कुमारगंज, मवई, मया, मिल्कीपुर, पटरंगा, चौरेबाजार, दर्शन नगर, हरिंगटनगंज उपडाकघर के साथ साथ अयोध्या प्रधान डाकघर में 3 काउंटर पर प्रतिदिन 9 बजे से सांय 5 बजे तक आधार किया जा रहा है । इसके अतिरिक्त अम्बेडकरनगर में बसखारी, देवरिया, दुल्हूपुर, हंसवर, इल्तिफातगंज, जाफरगंज, जँहागीरगंज, जलालपुर, किछौछा, सिकन्दरपुर, टाण्डा उपडाकघर सहित अकबरपुर प्रधान डाकघर में सेवाएं सुबह 9 बजे से दी जा रही है ।

परीक्षा में 1734 कक्ष निरीक्षक की लगी ड्यूटी

भदोही, (संवाददाता)। जिले में 18 फरवरी से शुरू हो रही यूपी बोर्ड परीक्षा की तैयारी करीब–करीब पूरी हो गई है। 94 केंद्रों पर 1734 कक्ष निरीक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। जो 55 हजार 684 परीक्षार्थियों पर नजर रखेंगे। माध्यमिक शिक्षा परिषद की ओर से 18 फरवरी से शुरू होने वाली बोर्ड परीक्षा के लिए जिले में 94 केंद्र बनाए गए हैं। इसमें हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के 55 हजार 684 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा को पारदर्शी कराने के लिए प्रशासन से लेकर शिक्षा विभाग की ओर से हर स्तर पर तैयारी की गई है। सभी केंद्रों पर एक–एक स्टेटिक मजिस्ट्रेट, अतिरिक्त केंद्र व्यवस्थापक की ड्यूटी लगाई गई है।

आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक ने रेल मित्र अभियान के तहत किया जागरूक

अयोध्या।आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक अयोध्या कैंट, हरीश कुमार शाही के निर्देशन में आरपीएफ कांस्टेबल देशराज व टीआरडी कर्मी के साथ रेल मित्र अभियान के तहत सोमवार को अयोध्या कैंटदृफतेहगंजदृआचार्य नरेंद्रदेव–हैदरगंज–बेनीगंज सेक्शन' में पत्थरबाजी की रोकथाम हेतु जागरूकता अभियान चलाया गया।इस मौके पर उन्होंने रेलवे लाइन के किनारे बसे लोगों, राहगीरों व बच्चों , स्कूली छात्रों आदि को को रेलवे लाइन पर ना आने, रेल लाइन क्रॉस ना करने, लाइन के किनारे पतंग बाजी ना करने तथ पोलो व उनके इंसुलेटर पर एवम् आने जाने वाली ट्रेनों पर पत्थर न मारने बाबत समझाया गया स परिजनों तथा उनके बच्चों को पतंग उड़ाने से रेलवे लाइन के ऊपर हाईवोल्टेज तार जिसमें 25000 वोल्ट की बिजली होने तथा फंस जाने पर ट्रेन की पिंटो में उलझ जाने के दुष्परिणाम से रेल तथा जनमानस की हानि, ट्रेनों का परिचालन करने वाले ड्राइवर व ट्रेन मैनेजर तथा यात्रियों को चोट लगने की प्रबल संभावना तथा रेल संपत्ति को होने वाले भारी नुकसान के बारे में जागरूक किया गया एवं उन्हें बताया गया कि यदि कोई ऐसा कार्य करता है तो वह कानूनी रूप से दण्डात्मक है यदि कोई ऐसा कार्य करता है तो उसको तुरंत रोके तथा उसके बारे में सूचना रेलवे सुरक्षा बल अयोध्या कैंट को दें।सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा। ताकि ऐसे शरारती तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके और होने वाले नुकसान से रेल तथा जनमानस को बचाया जा सके।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 115 परीक्षा केदो पर 18 से शुरू होगी इंटर व हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा

अयोध्या। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट यूपी बोर्ड परीक्षा 18 फरवरी से कुल 115 परीक्षा केन्द्र पर सीसीटीवी कैमरे की नजर में तथा कड़ी सुरक्षा के व्यवस्था के बीच शुरु होंगी।जो 12 मार्च तक चलेगी।जिनमें 16 संवेदनशील और 5 अति संवेदनशील घोषित किए गए हैं।इस बात की जानकारी डीआईओएस डाक्टर पवन कुमार तिवारी दिया।बताया कि सभी केन्द्रों पर उत्तर पुस्तिकाएं पहुंच चुकी हैं।वही शनिवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सील पैक प्रश्नपत्रों के बंडल परीक्षा केन्द्रों को रवाना किए गए।परीक्षा मे पारदर्शिता लाने के लिए सभी परीक्षा कक्षों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं तथा डीवीआर और वॉइस रिकॉर्डिंग सिस्टम की जांच कर ली गई है।जिले में इस बार बोर्ड परीक्षा मे कुल 75000 छात्र–छात्राएं परीक्षा में शामिल होंगे। बताया कि सभी परीक्षा केदो पर एक उपनिरीक्षक तथा दो–दो सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे।इसके अलावा इन परीक्षा केदो पर सुरक्षा कर्मियों के अलावा एसटीएफ व एलआईयू के कर्मी भी तैनात रहेंगे।डीआईओएस डा.तिवारी ने बताया कि परीक्षा केंद्रों पर नियंत्रण रखने के लिए जीआईसी में नियंत्रित कक्ष बनाया गया है।जहां पर 15 कंप्यूटर के माध्यम से वहां पर तैनात कर्मी सभी बोर्ड परीक्षाओं केंद्रों की गतिविधियों को देखेंगे।बताया कि परीक्षा के दौरान नकल रोकने के लिए छः सचल दलों का गठन किया गया है।प्रत्येक सचल दल में पांच पांच कर्मी शामिल रहेंगे।तहसील स्तर पर संबंधित एसडीएम को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। सभी 115 परीक्षा केदों पर स्टैटिक मजिस्ट्रेट उसके अलावा अतिरिक्तकेंद्र व्यवस्थापक बाहर की विद्यालय के तैनात होंगे।इस बार कुल 115 परीक्षा केंद्रों पर लगभग 3200 कक्ष निरीक्षकों की तैनाती होंगी।जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय के साथ–साथ जीआईसी कंट्रोल रूम के अलावा सभी परीक्षा केदो पर इलाहाबाद बोर्ड, बनारस बोर्ड के अलावा लखनऊनिदेशालय से भी मनिटरिंग रहेंगे।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय सिद्धांत को व्यवहार में उतारना ही संगठन का मूल ध्येय है - अशोक चौरसिया

भाजपा जिला कार्यालय पर `पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान' कार्यशाला संपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय पर 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान' के अंतर्गत मंगलवार को एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में संगठन की मजबूती, वैचारिक सुदृढ़ता और आगामी अभियानों की सफलता को लेकर विस्तृत रणनीति पर चर्चा की गई। जिले भर से आए पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला प्रभारी अशोक चौरसिया ने अपने संबोधन में कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय सिद्धांत को व्यवहार में उतारना ही संगठन का मूल ध्येय है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण अभियान के माध्यम से कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा, कार्यपद्धति और जनसंपर्क कौशल में दक्ष बनाया जा रहा है, ताकि वे केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा सकें। विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद डॉ. के.पी. सिंह ने कहा कि भाजपा का संगठनात्मक ढांचा उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अनुशासन, समर्पण और सक्रियता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने की। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना ही इस प्रशिक्षण महाअभियान का मुख्य उद्देश्य है और सभी पदाधिकारी मिशन मोड में जुटें। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री सुनील तिवारी ने किया। बैठक में जिला महामंत्री पियूष गुप्ता, सुशील मिश्रा एवं अमित श्रीवास्तव, पूर्व जिलाध्यक्ष सुशील उपाध्याय, डीसीएफ चेयरमैन धनंजय सिंह, जिला उपाध्यक्ष सुधाकर उपाध्याय, जिला मंत्री रविन्द्र सिंह 'दादा', आईटी संयोजक रोहन सिंह, सह–संयोजक अवनीश यादव, सोशल मीडिया संयोजक सिद्धार्थ राय तथा जिला मीडिया प्रभारी अमोद सिंह सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यशाला में जिला प्रशिक्षण अभियान के संयोजक, सह–संयोजक, सभी मोर्चा एवं प्रकोष्ठों के पदाधिकारी तथा मंडल अध्यक्षों ने भाग लिया। अंत में जिलाध्यक्ष ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए प्रशिक्षण अभियान को पूरी निष्ठा के साथ सफल बनाने का संकल्प दिलाया।

संक्षिप्त खबरें

ईमेल से बम धमाके की धमकी, दीवानी न्यायालय व पुलिस लाइन खाली कराई गई

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। यूपी के जौनपुर के दीवानी न्यायालय को मंगलवार को बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिलने से हड़कंप मच गया। जिला जज की आधिकारिक मेल आईडी पर सुबह करीब 10रू30 बजे यह संदेश प्राप्त हुआ, जिसमें 17 फरवरी को दोपहर 1 बजे से 2 बजे के बीच सिविल कोर्ट के गेट नंबर–1 और पुलिस लाइन को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। मेल में 5 से 6 मोबाइल नंबर भी अंकित थे और उन पर पैसे भेजने की मांग करते हुए अन्यथा विस्फोट करने की चेतावनी दी गई थी। धमकी मिलते ही जिला न्यायाधीश सुशील कुमार शशि ने तत्काल प्रशासनिक आदेश जारी किए। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुभाष चंद्र यादव को बुलाकर स्थिति से अवगत कराया गया और एहतियातन न्यायालय परिसर खाली कराने का निर्देश दिया गया। इसके बाद बार पदाधिकारियों एवं अधिवक्ताओं के सहयोग से कचहरी परिसर को व्यवस्थित रूप से खाली कराया गया। बार एसोसिएशन की ओर से अधिवक्ताओं व वादकारियों से अपील की गई कि वे सुरक्षा की दृष्टि से परिसर खाली कर दें और पुलिस की जांच में सहयोग करें। सभी न्यायिक अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अधिवक्ताओं और वादकारियों की अनुपस्थिति में कोई प्रतिकूल आदेश पारित न किया जाए। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया। पुलिस अधीक्षक को पर्याप्त पुलिस बल, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वाड के साथ सघन जांच कराने के निर्देश दिए गए। न्यायालय परिसर तथा आसपास के क्षेत्रों में व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। अध्यक्ष सुभाष चंद्र यादव ने बताया कि इस प्रकार की धमकी पहले कभी प्राप्त नहीं हुई थी। वही इस मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने बताया कि फिलहाल दीवानी न्यायालय परिसर खाली करा लिया गया है और स्थिति नियंत्रण में है। पुलिस ईमेल की जांच कर स्रोत का पता लगाने में जुटी है। घटना के बाद न्यायालय परिसर में कुछ समय के लिए अफरा–तफरी और दहशत का माहौल रहा, हालांकि प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई कर स्थिति को संभाल लिया।जनपद पुलिस की आफिसियल ई–मेल पर पुलिस लाइन व जनपद न्यायालय को बम से उडा देने की धमकी दी गई थी। इस सूचना पर एहतियातन न्यायालय परिसर को खाली कराकर पुलिस टीमध्ठठवैध् डॉग स्क्वाड द्वारा सघन चेकिंग कर सुरक्षा के पर्याप्त बंदोबस्त किये जा रहे है। अधिवक्ताओं का आरोप है कि प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है जौनपुर के अलावा अन्य कई जनपदों को भी अब तक दीवानी न्यायालय परिसर को बम से उड़ने की धमकी मिलने के बाद भी अभी तक कोई गिरफ्तार नहीं हुआ है।जो जिला प्रशासन की लापरवाही को दर्शाता है।

ईमेल से बम धमाके की धमकी, दीवानी न्यायालय व पुलिस लाइन खाली कराई गई

जौनपुर, 17 फरवरी। यूपी के जौनपुर के दीवानी न्यायालय को मंगलवार को बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिलने से हड़कंप मच गया। जिला जज की आधिकारिक मेल आईडी पर सुबह करीब 10रू30 बजे यह संदेश प्राप्त हुआ, जिसमें 17 फरवरी को दोपहर 1 बजे से 2 बजे के बीच सिविल कोर्ट के गेट नंबर–1 और पुलिस लाइन को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। मेल में 5 से 6 मोबाइल नंबर भी अंकित थे और उन पर पैसे भेजने की मांग करते हुए अन्यथा विस्फोट करने की चेतावनी दी गई थी। धमकी मिलते ही जिला न्यायाधीश सुशील कुमार शशि ने तत्काल प्रशासनिक आदेश जारी किए। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुभाष चंद्र यादव को बुलाकर स्थिति से अवगत कराया गया और एहतियातन न्यायालय परिसर खाली कराने का निर्देश दिया गया। इसके बाद बार पदाधिकारियों एवं अधिवक्ताओं के सहयोग से कचहरी परिसर को व्यवस्थित रूप से खाली कराया गया। बार एसोसिएशन की ओर से अधिवक्ताओं व वादकारियों से अपील की गई कि वे सुरक्षा की दृष्टि से परिसर खाली कर दें और पुलिस की जांच में सहयोग करें। सभी न्यायिक अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अधिवक्ताओं और वादकारियों की अनुपस्थिति में कोई प्रतिकूल आदेश पारित न किया जाए। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया। पुलिस अधीक्षक को पर्याप्त पुलिस बल, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वाड के साथ सघन जांच कराने के निर्देश दिए गए। न्यायालय परिसर तथा आसपास के क्षेत्रों में व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। अध्यक्ष सुभाष चंद्र यादव ने बताया कि इस प्रकार की धमकी पहले कभी प्राप्त नहीं हुई थी। वही इस मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने बताया कि फिलहाल दीवानी न्यायालय परिसर खाली करा लिया गया है और स्थिति नियंत्रण में है। पुलिस ईमेल की जांच कर स्रोत का पता लगाने में जुटी है। घटना के बाद न्यायालय परिसर में कुछ समय के लिए अफरा–तफरी और दहशत का माहौल रहा, हालांकि प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई कर स्थिति को संभाल लिया।जनपद पुलिस की आफिसियल ई–मेल पर पुलिस लाइन व जनपद न्यायालय को बम से उडा देने की धमकी दी गई थी। इस सूचना पर एहतियातन न्यायालय परिसर को खाली कराकर पुलिस टीमध्ठठवैध् डॉग स्क्वाड द्वारा सघन चेकिंग कर सुरक्षा के पर्याप्त बंदोबस्त किये जा रहे है। अधिवक्ताओं का आरोप है कि प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है जौनपुर के अलावा अन्य कई जनपदों को भी अब तक दीवानी न्यायालय परिसर को बम से उड़ने की धमकी मिलने के बाद भी अभी तक कोई गिरफ्तार नहीं हुआ है।जो जिला प्रशासन की लापरवाही को दर्शाता है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।